▪ भाद्रपद शुक्ल - 15 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 11 ▪ अंक - 67 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 29-09-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 लोकसभा चुनाव से पहले ही बिखर जाएगा विपक्षी गठबंधन 'इंडिया': चिराग

6 खाद्य बर्बादी पर जल्द नियंत्रण बेहद आवश्यक

7 'खतरों के खिलाड़ी' सीजन 13 में चैलेंजर बनकर आएंगी हिना खान

REPCO BANK
(Govt. of India Enterprise)
REPCO 400
New Deposit Scheme
For Senior Citizen
8.50% p.a.
8.00% p.a. For General
Conditions apply
*For members only
www.repcobank.com
044 - 2834 0715, 2834 3716

फर्स्ट टेक

पाकिस्तान की बजाय ओमान में होंगे ओलंपिक हॉकी क्वालीफायर

लुसाने/भाषा। पाकिस्तान हॉकी महासंघ और देश के खेल बोर्ड के बीच अंतर्कलह के कारण अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ ने पुरूष हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर की मेजबानी पाकिस्तान से छीनकर ओमान को दे दी । अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ ने घोषणा की कि टूर्नामेंट अगले साल 15 से 21 जनवरी के बीच मस्कट में होगा । तीन अन्य एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर चीन (महिला क्वालीफायर 15 से 24 जनवरी 2024) और स्पेन (महिला और पुरूष 13 से 21 जनवरी) में होंगे । एफआईएच ने एक बयान में कहा ,'' पाकिस्तान हॉकी महासंघ प्रशासन के ताजा हालात को देखते हुए एफआईएच ने पुरू ओलंपिक हॉकी क्वालीफायर की मेजबानी पाकिस्तान से वापिस लेने का फैसला किया था ।अब यह टूर्नामेंट ओमान में खेला जायेगा ।'' ओलंपिक क्वालीफायर से छह महिला और छह पुरूष टीमें पेरिस ओलंपिक के लिये क्वालीफाई करेंगी ।

चीन के रक्षा मंत्री एक महीने से लापता

बीजिंग/एपी। चीन के रक्षा मंत्री पिछले एक महीने से परिदृश्य से गायब हैं और रक्षा मंत्रालय ने अब जाकर इस मामले पर सार्वजनिक रूप से पहली टिप्पणी की है। इस टिप्पणी में भी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्हें 'स्थिति की जानकारी नहीं है।' वरिष्ठ कर्नल एवं मंत्रालय के सूचना कार्यालय के निदेशक वु छियान से मासिक संवाददाता सम्मेलन में जब यह पूछा गया कि भ्रष्टाचार को लेकर क्या ली शांगफु के खिलाफ अब भी जांच जारी है और क्या वह अब भी रक्षा मंत्री हैं, तो उन्होंने (वु ने) केवल एक वाक्य का जवाब दिया। वु ने एक विदेशी मीडिया संस्थान के पत्रकार द्वारा पूछे गये सवाल का जवाब देते हुए कहा, ''आपने जिस स्थिति का जिक्र किया है उससे मैं अवगत नहीं हूं।''

29-09-2023 सूर्यास्त 6:00 बजे | 30-09-2023 सूर्योदय 5:58 बजे

BSE	NSE
65,508.32	19,523.55
(-610.37)	(-192.90)

सोना	चांदी
6,161 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	79,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बेमेल मिलन

मिल जाए स्थिर सरकार अगर,
गठबंधन को भी सह लेंगे।
वर्ना दुर्भाग्य समझ करके,
जैसे-तैसे बस रह लेंगे।
इतिहास गवाही देता है,
संभवत: जल्दी ढह लेंगे।
बेमेल मिलन कब हुए सफल,
बस कथा पुरानी कह लेंगे।।

विसर्जन

गुरुवार को हैदराबाद के खैरताबाद में 10 दिवसीय गणेश चतुर्थी उत्सव के बाद भगवान गणेश की 63 फीट ऊंची मूर्ति को जुलूस के रूप में विसर्जन के लिए ले जाया गया।

सड़क निर्माण में शहरी कचरे के इस्तेमाल की नीति पर विचार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनका मंत्रालय सड़कों के निर्माण में शहरी कचरे के इस्तेमाल को लेकर एक नीति तैयार कर रहा है। गडकरी ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल नहीं करने के लिए निर्माण उपकरण विनिर्माताओं को प्रोत्साहन देने पर भी विचार कर रही है। उन्होंने कहा, ''हम सड़क निर्माण में शहरी क्षेत्रों से इकट्ठा होने वाले कचरे का इस्तेमाल करने की नीति को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं।''

गडकरी ने कहा कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने परिवहन क्षेत्र को कार्बन-मुक्त करने के लिए कई कदम उठाए हैं और दिल्ली एवं जयपुर के बीच इलेक्ट्रिक राजमार्ग के विकास की पहल इसी की एक कड़ी है। इलेक्ट्रिक राजमार्ग बिजली से चलने वाली रेलगाड़ियों की ही तरह की एक व्यवस्था है जिसमें वाहनों के लिए निर्दिष्ट राजमार्ग के ऊपर इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन लगा होगा। यह स्वीडन एवं नॉर्वे जैसे देशों में अपनाई जा रही प्रौद्योगिकी पर आधारित है। फिलहाल सड़क परिवहन मंत्रालय परिवहन क्षेत्र को अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए प्रौद्योगिकियों का विश्लेषण कर रहा है।

साल के अंत तक राजमार्गों को गड्ढा-मुक्त बनाने की नीति पर काम जारी: गडकरी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार इस साल के अंत तक राष्ट्रीय राजमार्गों को गड्ढा-मुक्त रने की नीति पर काम कर रही है। इसके साथ ही सड़कों का निर्माण बीओटी माध्यम से करने को भी प्राथमिकता दी जा रही है। इस साल दिसंबर के अंत तक राष्ट्रीय राजमार्गों को गड्ढों से मुक्त करने के लक्ष्य के साथ सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय प्रदर्शन-आधारित रखरखाव और अल्पकालिक रखरखाव अनुबंधों को सशक्त बनाने में जुटा हुआ है। आमतौर पर सड़कों का निर्माण तीन तरह से किया जाता है। इनमें 'बनाओ-चलाओ-सौंप दो' (बीओटी) के अलावा इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण (ईपीसी) और हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल (एचएएम) शामिल हैं। गडकरी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''ईपीसी माध्यम से बनाई जाने वाली सड़कों के रखरखाव की जरूरत काफी पहले पड़ने लगती है। वहीं बीओटी माध्यम से सड़कें बेहतर बनती हैं क्योंकि ठेकेदार भी जानता है कि उसे अगले 15-20 वर्षों तक रखरखाव की लागत वहन करनी होगी। इसलिए हमने बड़े पैमाने पर बीओटी माध्यम से ही सड़कें बनाने का फैसला किया है।'' बीओटी परियोजनाओं में निजी साझेदार 20-30 वर्षों की अवधि में परियोजनाओं के वित्तपोषण, निर्माण और संचालन का जिम्मा उठाते हैं। फिर वे राजमार्ग का इस्तेमाल करने वालों से शुल्क या टोल के जरिये अपने निवेश की वसूली करते हैं।

पाकिस्तान आतंकवाद का मुख्य स्रोत : जम्मू-कश्मीर डीजीपी

जम्मू/वार्ता। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने गुरुवार को कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद का मुख्य स्रोत है और राज्य पुलिस अन्य सुरक्षा बलों के साथ मिलकर केंद्र शासित प्रदेश से आतंकवाद को खत्म करने और उखाड़ फेंकने के लिए प्रतिबद्ध है।

पुलिस प्रमुख ने रियासी जिले के एसकेपीए उधमपुर और सहायक प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी) तलवाड़ा के दौरे के दौरान मीडिया से बात करते हुए कहा, आतंकवाद की जड़ को खत्म करने के लिए सफल ऑपरेशन चलाए गए और जारी रहेंगे।

उन्होंने कहा कि कई सक्रिय आतंकवादियों की उपस्थिति में कमी आई है, शेष को खत्म करने के प्रयास जारी हैं, उन्होंने कहा, सीमाओं पर और भीतरी इलाकों में सुरक्षा ग्रिड पाकिस्तान समर्थित राष्ट्र विरोधी तत्वों के नापाक मंसूबों को विफल करने के लिए सतर्क और सक्रिय है।

डीजीपी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस के दिन-प्रतिदिन के प्रयासों और हमारे शहीद नायकों के बलिदान से, जम्मू-कश्मीर के लोग सामान्य जीवन का आनंद ले रहे हैं, छात्र स्कूलों में जा रहे हैं और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां बिना किसी डर और रोक-टोक के पूरे जोरों पर चल रही हैं।

कांग्रेस विधायक खैरा 2015 के मादक पदार्थ मामले में गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने 2015 के मादक पदार्थ मामले में कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैरा को बृहस्पतिवार की सुबह गिरफ्तार कर लिया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक मंजीत सिंह के नेतृत्व में पंजाब पुलिस की एक टीम ने सुबह करीब छह बजे खैरा के चंडीगढ़ स्थित आवास पर छापा मारा।

विधायक के बेटे ने फेसबुक पर 'लाइव' आकर दिखाया कि पंजाब पुलिस की एक टीम खैरा को पकड़ने के लिए उनके आवास पर पहुंची है।

वीडियो में खैरा पुलिस टीम के साथ बहस करते और गिरफ्तारी वारंट दिखाने को कहते देखे जा सकते हैं। भोलाथ के विधायक पुलिस दल में शामिल अधिकारियों से उनके पहचान कार्ड दिखाने के लिए कहते नजर आ रहे हैं।

महान कृषि वैज्ञानिक एम एस स्वामीनाथन का निधन

चेन्नई/वार्ता। देश में हरित क्रांति के जनक महान वैज्ञानिक डॉ. एम एस स्वामीनाथन का गुरुवार को तमिलनाडु के चेन्नई में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 98 वर्ष के थे और लंबे समय से वृद्धावस्थाजनित रोगों से पीड़ित थे। एम एस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन के सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महान कृषि वैज्ञानिक का काफी समय से उम्र संबंधी बीमारी का इलाज किया जा रहा था। उनके परिवार में तीन बेटियां हैं। डॉ. स्वामीनाथन ने देश में धान की फसल को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने धान की अधिक उपज देने वाली किस्मों को विकसित करने में बड़ा योगदान दिया था। इस पहल के चलते पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसानों को काफी मदद मिली थी।

गुजरात के कच्छ जिले से 800 करोड़ रुपये की कोकीन बरामद

गांधीधाम (गुजरात)/ भाषा। गुजरात में कच्छ जिले के गांधीधाम शहर के पास संकरी खाड़ी के किनारे से बृहस्पतिवार को 80 किलोग्राम कोकीन बरामद की गई जिसकी कीमत करीब 800 करोड़ रुपये है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि प्रतिबंधित पदार्थ के एक-एक किलोग्राम के 80 पैकेट मिले हैं। कच्छ-पूर्व मंडल के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सागर बागमार ने कहा कि शायद पकड़े जाने के डर से तस्कर इन पैकेट को फेंक गए हों, क्योंकि पुलिस क्षेत्र में पहले से सक्रिय है।

बागमार ने बताया कि इस मादक पदार्थ को गांधीधाम शहर के पास मिथी रोहर गांव नजदीक संकरी खाड़ी के किनारे फेंका गया था। एसपी ने कहा, नशीले पदार्थ की खेप की आपूर्ति को लेकर मिली गुप्त सूचना के आधार पर हम क्षेत्र में पहले से ही सक्रिय थे। हमारे तलाश अभियान के दौरान एक संकरी खाड़ी के किनारे हमें एक-एक किलोग्राम के कोकीन के 80 पैकेट में मिले जिसकी कीमत 800 करोड़ रुपये है।

कावेरी मुद्दा :

आज 'कर्नाटक बंद' का आह्वान

बेंगलूरु। कन्नड़ समर्थक और किसान संगठनों के कावेरी नदी का पानी तमिलनाडु को दिए जाने के विरोध में शुक्रवार को आहूत 'कर्नाटक बंद' के मद्देनजर राज्य में, खासतौर से दक्षिणी हिस्से में सामान्य जनजीवन बाधित रहने की आशंका है। कर्नाटक रक्षण वेदिके, कन्नड़ चळुवली (वाटाल पक्ष) समेत कन्नड़ संगठनों और विभिन्न किसान संगठनों के शीर्ष संगठन 'कन्नड़ ओक्कुटा' ने पूरे राज्य में सुबह से शाम तक बंद का आह्वान किया है। बंद के आयोजकों ने बताया कि शहर में टाउन हॉल से फ्रीडम पार्क तक व्यापक जुलूस निकाला जाएगा जिसमें सभी वर्ग के लोगों के भाग लेने की संभावना है। सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक चलने वाले इस बंद के मद्देनजर सरकार ने काफी सुरक्षा के उपाय किए हैं। जगह जगह पर पुलिस को तैनात किया है। लोगों को अनावश्यक रूप से बाहर नहीं आने का आग्रह किया है।

भारतीय तीरंदाजी टीम

नई दिल्ली में चीन में चल रहे 19वें एशियाई खेलों के लिए रवाना होने से पहले फोटो खिंचवाती भारतीय तीरंदाजी टीम।

उज्जैन: नाबालिग से बलात्कार के मामले में

ऑटोरिक्शा चालक हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उज्जैन (मध्य प्रदेश)/ भाषा। मध्य प्रदेश के उज्जैन शहर में सड़क पर खून से लथपथ पाई गई लड़की से बलात्कार के मामले में पुलिस ने एक ऑटोरिक्शा चालक को हिरासत में लिया है और पांच अन्य लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि पुलिस को हिरासत में लिए गए व्यक्ति के ऑटोरिक्शा की यात्री सीट पर कुछ खून के धब्बे भी मिले हैं। उज्जैन पुलिस के अनुसार, एक परामर्शदाता (काउंसिलर) ने नाबालिग बलात्कार पीड़िता से बातचीत की और पाया कि वह सतना जिले की है।

हालांकि, सतना पुलिस ने कहा है कि यदि यह वही लड़की है जिसके बारे में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, तो इसकी पुष्टि उसके परिवार द्वारा उसकी पहचान करने के बाद होगी। करीब 12 साल की लड़की सोमवार को उज्जैन के महाकाल थाना क्षेत्र स्थित एक सड़क पर खून से लथपथ पाई गई थी। पुलिस ने कहा कि पाए जाने के बाद उसे एक अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी प्रारंभिक चिकित्सा जांच में पुष्टि हुई कि उसके साथ बलात्कार किया गया है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि लड़की का बुधवार को इंदौर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की एक टीम ने ऑपरेशन किया और अब उसकी हालत गंभीर पर स्थिर बताई जा रही है। उज्जैन के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सचिन शर्मा ने कहा, पुलिस ने एक वीडियो फुटेज के आधार पर एक ऑटोरिक्शा चालक को हिरासत में लिया है।

स्वीडन में हिंसा जारी, गोलीबारी और विस्फोट में तीन लोगों की मौत

स्टॉकहोम/एपी। स्वीडन में विभिन्न आपराधिक गिरोहों के बीच जारी हिंसक संघर्ष काफी बढ़ गया है और रात भर में हुई अलग-अलग घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई। स्टॉकहोम उपनगर में बुधवार देर रात 18 वर्षीय एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसके कुछ घंटों बाद, राजधानी के दक्षिण में जॉर्डब्रो में हुई गोलीबारी की घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया।

स्टॉकहोम के पश्चिम उप्साला में बृहस्पतिवार तड़के हुए एक विस्फोट में 20 साल की एक महिला की मौत हो गई। इस विस्फोट में पांच घर भी क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस इस घटना को हत्या मान रही है। स्वीडन की मीडिया ने कहा कि जिस महिला की मौत हुई वह संभवत: हमलावरों का निशाना नहीं थी। स्वीडन के प्रसारक एसवीटी के मुताबिक गोलीबारी की दो घटनाओं के बाद सितंबर में बंदूक से जुड़ी हिंसा में मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 11 हो गयी है। स्वीडन में बीते कुछ दिनों से दो गिरोहों के बीच मादक पदार्थों और हथियारों को लेकर हिंसक संघर्ष हो रहा है। एक गिरोह का नेतृत्व स्वीडन-तुर्किये की दोहरी नागरिकता वाला एक व्यक्ति कर रहा है जबकि दूसरे का नेतृत्व उसी का एक पूर्व अहम साथी कर रहा है।

टीएमबी के एमडी, सीईओ ने निजी कारणों का हवाला देते हुए दिया इस्तीफा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/वार्ता। तमिलनाडु मर्केंटाइल बैंक लिमिटेड (टीएमबी) ने अचानक हुए घटनाक्रम में गुरुवार देर रात घोषणा की कि उसके प्रबंध निदेशक और सीईओ एस. कृष्णन ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए पद से इस्तीफा दे दिया है।

एनएसई और बीएसई के साथ एक नियामक फाइलिंग में टीएमबी के एक बयान में कहा गया है कि उन्होंने बोर्ड बैठक में कागजात रखे हैं और इसे बोर्ड द्वारा स्वीकार कर लिया गया है। फाइलिंग में कहा गया है कि उनका इस्तीफा पत्र आरबीआई को उनके मार्गदर्शन/सलाह के लिए भेज दिया गया है। हालाँकि, श्री कृष्णन तब तक एमडी और सीईओ बने रहेंगे जब तक बैंक को आरबीआई से मार्गदर्शन/सलाह नहीं मिल जाती। कृष्णन लगभग 13 महीने पहले टीएमबी में शामिल हुए थे। हालाँकि, उनका लगभग दो-तिहाई कार्यकाल बाकी है, लेकिन उन्होंने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए अपना इस्तीफा दे दिया।

ज्ञानवापी परिसर में एएसआई सर्वेक्षण रोकने की अर्जी खारिज

वाराणसी/वार्ता। वाराणसी जिला न्यायालय ने गुरुवार को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से कराए जा रहे ज्ञानवापी परिसर के वैज्ञानिक सर्वेक्षण पर रोक लगाने की अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी की अर्जी को खारिज कर दिया।

वादी राखी सिंह के वकील अनुपम द्विवेदी ने कहा कि जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेशा की अदालत ने इंतेजामिया कमेटी की अर्जी को खारिज करते हुए कहा कि उनकी अदालत उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप नहीं कर सकती। अदालत ने इंतेज़ामिया कमेटी से कहा कि वह इस मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय जाएं।

वकील ने कहा कि अदालत ने ज्ञानवापी परिसर के सील क्षेत्र के सर्वेक्षण के संबंध में एक आवेदन पर सुनवाई की अगली तारीख पांच अक्टूबर तय की है।

गौरतलब है कि इंतेजामिया कमेटी ने एक आवेदन दायर कर एएसआई सर्वेक्षण को इस आधार पर रोकने का अनुरोध किया था कि वादी पक्ष यानी हिंदू पक्ष ने इसकी लागत जमा नहीं की थी। श्री द्विवेदी ने कहा कि अदालत ने मामले में अन्य वादी पक्ष द्वारा एएसआई द्वारा वैज्ञानिक सर्वेक्षण के दौरान ज्ञानवापी परिसर से मिली वस्तुओं और सामग्रियों को संरक्षित करने का अनुरोध करने वाले एक आवेदन का भी निपटारा कर दिया।

जिला न्यायाधीश ने कहा कि अदालत ने पहले ही प्रतिवादी राखी सिंह के आवेदन पर प्रशासन को निर्देश दे दिया है, इसलिए उनके आवेदन को मूल आवेदन के साथ समेकित किया जाएगा।

विसर्जन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गुरुवार को मुंबई के लाल बाग में 10 दिवसीय गणेश चतुर्थी उत्सव के बाद भगवान गणेश को एक जुलूस के रूप में विसर्जन के लिए ले जाया गया।

पंजाब में किसानों का तीन दिवसीय रेल रोको प्रदर्शन शुरू, आवाजाही प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमृतसर/फिरोजपुर/भाषा। पंजाब में बृहस्पतिवार को किसानों ने अपना तीन दिवसीय 'रेल रोको' आंदोलन शुरू किया और कई जगहों पर रेल की पटरियों पर बैठ गए जिससे कम से कम 91 ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई।

किसानों ने हालिया बाढ़ से हुए नुकसान के लिए वित्तीय पैकेज, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी और व्यापक कर्ज माफी की मांग को लेकर अपना विरोध प्रदर्शन शुरू किया।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, फिरोजपुर मंडल के तहत 91 ट्रेनों में से 51 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया, 24 ट्रेनों को गंतव्य से पहले समाप्त किया गया, पांच ट्रेनों को प्रस्थान स्टेशन से आगे से चलाया गया जबकि 11 ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित किया गया।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे केंद्र के खिलाफ 30 सितंबर तक अपना आंदोलन चलाएंगे। बृहस्पतिवार को मोगा, होशियारपुर, गुरदासपुर, जालंधर, तरन तारन, संगरूर, पटियाला, फिरोजपुर, बठिंडा और अमृतसर में 17 जगहों पर किसानों ने आंदोलन किया। अमृतसर में किसान देवीदास पुरा में अमृतसर-दिल्ली रेलवे ट्रैक पर बैठ गए।

इस प्रदर्शन में किसान मजदूर संघर्ष समिति, भारती किसान यूनियन (भाकियू-क्रांतिकारी), भाकियू (एकता आजाद), आजाद किसान समिति दोआबा, भाकियू (बेहरामके), भाकियू (शहीद भगत सिंह) और भाकियू (छोटू राम) सहित कई किसान संगठन हिस्सा ले रहे हैं। किसानों की मांग में उत्तर भारत में बाढ़ से प्रभावित किसानों के लिए वित्तीय पैकेज, सभी फसलों पर एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी और कर्ज माफी सहित अन्य मांगें शामिल हैं। अमृतसर में किसान नेता गुरबचन सिंह ने कहा कि किसान, उत्तर भारतीय राज्यों के लिए 50 हजार करोड़ रुपये के बाढ़ राहत पैकेज और स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट की सिफारिशों के मुताबिक एमएसपी की मांग कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि किसानों व मजदूरों का पूरा कर्ज माफ होना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने अब समाप्त किये जा चुके तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान जिन किसानों की मौत हुई उनमें से प्रत्येक के परिवार को 10 लाख रुपये और एक सरकारी नौकरी की मांग भी की।

होशियारपुर में आजाद किसान समिति दोआबा के सदस्यों ने स्थानीय रेलवे स्टेशन पर धरना दिया। फिरोजपुर में किसान नेता जसबीर सिंह ने कहा कि किसानों ने फिरोजपुर छावनी रेलवे स्टेशन और मल्लांवाला रेलवे स्टेशन पर रेलवे पटरियों को बाधित किया।

विदेश यात्रा पैकेज, धन प्रेषण पर 20 प्रतिशत की उच्च टीसीएस दर एक अक्टूबर से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश यात्रा पैकेज और उदारीकृत धन प्रेषण योजना (एलआरएस) पर सात लाख रुपये से अधिक खर्च करने वालों के लिए स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस) की सबसे ऊंची 20% की दर एक अक्टूबर से लागू होगी। वर्तमान में रिजर्व बैंक के एलआरएस के तहत विदेशों में हस्तांतरित धन पर सात लाख रुपये से अधिक की राशि पर पांच प्रतिशत टीसीएस लगता है। एक अक्टूबर से टीसीएस की दर 20 प्रतिशत हो जाएगी।

अभी एक वित्त वर्ष में 7 लाख रु. तक के एलआरएस हस्तांतरण पर कोई टीसीएस नहीं लगता है। एक अक्टूबर से भी यह प्रावधान जारी रहेगा। वहीं विदेशी टूर पैकेज की खरीद पर वर्तमान में 5% टीसीएस लगता है। एक अक्टूबर से 7 लाख रुपये तक के ऐसे खर्च पर 5% टीसीएस लगेगा। हालांकि, 7 लाख रुपये से अधिक के खर्च पर टीसीएस दर 20% से अधिक होगी। कोई करदाता संबंधित आकलन वर्ष के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करते समय भुगतान की गई टीसीएस राशि का क्रेडिट ले सकता है। चिकित्सकीय उपचार और शिक्षा प्रत्येक के लिए 7 लाख रुपये से अधिक के वार्षिक खर्च पर 5% का टीसीएस जारी रहेगा।

महिला आरक्षण विधेयक भाजपा का 'जुमला': कांग्रेस अध्यक्ष खरगे

रायपुर/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को कहा कि महिला आरक्षण विधेयक एक 'जुमला' है क्योंकि भाजपा सोचती है कि लोग उसे वोट देंगे और कुछ समय बाद पार्टी (भाजपा) द्वारा किए गए वादों को भूल जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि यह विधेयक वर्ष 2034 तक लागू नहीं होगा।

छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के सुमाभाटा गांव में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा आयोजित 'कृषक-सह-श्रमिक सम्मेलन' को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि भाजपा 15 वर्षों में वह नहीं कर सकी जो सत्ताधारी कांग्रेस ने पांच वर्ष में किया है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर संविधान को बदलने और देश के गरीबों को तबाह करने का प्रयास करने का भी आरोप लगाया। खरगे ने कहा, 'महिला आरक्षण विधेयक को हाल ही में संसद में पारित किया गया। यह कोई नया नहीं है क्योंकि राजीव गांधी जी 73वां और 74वां संशोधन

लाए थे और पंचायत निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित किया था। यह काम राजीव गांधी पहले ही कर चुके हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि जब राजीव गांधी 33 फीसदी आरक्षण लेकर आये थे, तब भाजपा ने इसका विरोध किया था। उन्होंने कहा कि उस समय एक सदन में हमें (विधेयक के पक्ष में) बहुमत मिला, लेकिन दूसरे सदन में भाजपा ने इसका विरोध किया और विधेयक गिर गया। खरगे ने कहा, ''अब वह छाती ठोककर कहते हैं कि हमने ये किया है। वे ऐसा कब करने जा रहे हैं (महिला आरक्षण विधेयक लागू करना)? वे खुद कहते हैं कि 2024 में ऐसा नहीं होगा और 2029 में जनगणना और परिसीमन के बाद इसे लागू किया जाएगा।

भारत का विदेशी कर्ज जून के अंत में बढ़कर 629.1 अरब अमेरिकी डॉलर रहा: आरबीआई

मुंबई/भाषा। भारत का विदेशी ऋण जून 2023 के अंत में मामूली रूप से बढ़कर 629.1 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, हालांकि ऋण-जीडीपी अनुपात में गिरावट आई है।

भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से बृहस्पतिवारा को जारी आंकड़ों में यह बात सामने आई। आंकड़ों के अनुसार, कर्ज में 4.7 अरब अमेरिकी डॉलर का इजाफा हुआ है। मार्च के अंत में यह 624.3 अरब अमेरिकी डॉलर था। आरबीआई ने कहा, '' जून 2023 के अंत में विदेशी ऋण और सकल घरेलू उत्पाद का अनुपात घटकर 18.6 प्रतिशत हो गया, जो मार्च 2023 के अंत में 18.8 प्रतिशत था। '' आरबीआई ने कहा कि सरकार का सामान्य बकाया कर्ज कम हुआ, जबकि गैर-सरकारी कर्ज जून 2023 के अंत में बढ़ गया। इसके अलावा, विदेशी कर्ज में 32.9 प्रतिशत की सबसे अधिक हिस्सेदारी ऋण की रही। इसके बाद इसमें मुद्रा तथा जमा, व्यापार ऋण और अग्रिम व ऋण प्रतिभूतियों का योगदान रहा।

सीडीआईएल सिलिकॉन कार्बाइड सेमीकंडक्टर बनाने वाली देश की पहली कंपनी बनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

CDIL

चंडीगढ़/भाषा। इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाने वाली कंपनी सीडीआईएल ज्यादा बिजली खपत वाले प्रौद्योगिकी उत्पादों में इस्तेमाल होने वाले सिलिकॉन कार्बाइड सेमीकंडक्टर का देश में उत्पादन करने वाली पहली कंपनी बन गई है। सीडीआईएल के कार्यकारी अध्यक्ष एवं मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) पंकज गुलाटी ने सेमीकंडक्टर पैकेजिंग की नई लाइन की शुरुआत पर पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में कहा कि कंपनी ने अमेरिकी, यूरोप, चीन एवं ऑस्ट्रेलिया को अपने सिलिकॉन कार्बाइड उपकरणों का निर्यात करना भी शुरू कर दिया है।

गुलाटी ने कहा, ''हम भारत में सिलिकॉन कार्बाइड सेमीकंडक्टर का विनिर्माण शुरू करने वाली पहली कंपनी हैं। हमने अमेरिका, यूरोप, चीन एवं ऑस्ट्रेलिया को इनका निर्यात करना शुरू कर दिया है।'' सीडीआईएल मोहाली और दिल्ली में विनिर्माण संयंत्र एवं एक प्रयोगशाला का संचालन करती है जो वाहन, रक्षा एवं वैमानिकी क्षेत्रों को सेवाएं देते हैं।

कंपनी ने नई पैकेजिंग लाइन लगाते हुए पांच करोड़ सिलिकॉन कार्बाइड सेमीकंडक्टर के उत्पादन का पहला चरण शुरू किया है और उसकी योजना इसे बढ़ाकर 10 करोड़ उपकरणों तक ले जाने की है। नई असेंबली लाइन स्थापित होने से इसकी कुल वार्षिक क्षमता बढ़कर 60 करोड़ इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की हो चुकी है।

गुलाटी ने कहा कि कंपनी का दूसरा चरण भी केंद्र सरकार की 'इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण एवं सेमीकंडक्टर के विनिर्माण की प्रोत्साहन योजना' (स्पेक्स) के तहत रहेगा जबकि तीसरे चरण के लिए यह 'इंडिया सेमीकॉन मिशन' की तरफ से घोषित योजना के तहत आवेदन करेगी।

एचपी ने भारत में क्रोमबुक के निर्माण के लिए गूगल के साथ मिलाया हाथ

नई दिल्ली/भाषा। पीसी निर्माता एचपी ने दो अक्टूबर से भारत में क्रोमबुक के निर्माण के लिए गूगल के साथ हाथ मिलाया है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एचपी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, क्रोमबुक उपकरणों का निर्माण चेन्नई के पास फ्लेक्स फैसिलिटी में किया जाएगा। एचपी वहां अगस्त 2020 से लैपटॉप तथा डेस्कटॉप की एक श्रृंखला का उत्पादन कर रहा है। एचपी इंडिया के वरिष्ठ निदेशक (पर्सनल सिस्टम) विक्रम बेदी ने कहा, '' भारत में क्रोमबुक लैपटॉप के निर्माण से भारतीय छात्रों की किफायती पीसी तक आसान पहुंच मुमकिन होगी। अपने विनिर्माण परिचालन का और विस्तार करके हम सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल का समर्थन करना जारी रखेंगे।'' गूगल के शिक्षा प्रमुख (दक्षिण एशिया) बानी धवन ने कहा, '' एचपी के साथ क्रोमबुक का स्थानीय स्तर पर उत्पादन भारत में शिक्षा के डिजिटल बदलाव के समर्थन को जारी रखने के हमारे प्रयासों के अनुरूप है।''

उत्तराखंड में 10 भाजपा नेताओं को मिला दायित्व

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभिन्न परिषदों और बोर्डों के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद पर 10 वरिष्ठ भाजपा नेताओं की नियुक्ति की है। सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने सरकार द्वारा इस संबंध में जारी आदेश के बारे में जानकारी दी। ज्योति प्रसाद गैरोला को 20 सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति (राज्यस्तरीय) का उपाध्यक्ष बनाया गया है, जबकि रमेश गड़िया को उत्तराखंड राज्य स्तरीय जलागम परिषद का उपाध्यक्ष और मधु भट्ट उत्तराखंड संस्कृत साहित्य एवं कला परिषद की उपाध्यक्ष बनाई गई हैं। मुफ्ती शमून कासमी को उत्तराखंड मदरसा शिक्षा परिषद का अध्यक्ष, पूर्व सांसद बलराज पासी को उत्तराखंड राज्य बीज एवं जैविक उत्पाद प्रमाणीकरण संस्था का अध्यक्ष बनाया है। सुरेश भट्ट को राज्य स्तरीय राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य एवं अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है जबकि अनिल डब्बू कृषि उत्पादन एवं विपणन बोर्ड (मंडी) के अध्यक्ष बनाए हैं। कैलाश पंत उत्तराखंड राज्य सलाहकार श्रम संविदा बोर्ड के अध्यक्ष बनाए हैं जबकि शिव सिंह बिष्ट प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना और राज्य स्तरीय अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष होंगे।

लक्षद्वीप प्रशासन ने समूचे द्वीप समूह पर छापे मारे

कवरत्ती/भाषा। लक्षद्वीप प्रशासन के स्वास्थ्य, राजस्व और पुलिस विभाग ने इस्तेमाल की अवधि समाप्त हो चुके उत्पादों की बिक्री की जांच के तहत समूचे द्वीप समूह में वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों पर संयुक्त रूप से छापे मारे। सरकार ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। लक्षद्वीप प्रशासन द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, लक्षद्वीप के 10 रिहायशी द्वीपों पर 100 प्रतिष्ठानों में छापे मारे, जिनमें से 30 से अधिक प्रतिष्ठानों में इस्तेमाल की अवधि समाप्त हो चुके उत्पादों की बिक्री का पता चला। विज्ञप्ति में कहा गया है, ''अधिकारियों ने ऐसे उत्पादों को तुरंत जब्त कर लिया और इस तरह के उत्पाद बेचने के लिए दुकान मालिकों पर जुर्माना लगाया। पुलिस विभाग ने ऐसे दुकान मालिकों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की।''

विज्ञप्ति के अनुसार, द्वीप समूह के प्रशासन ने मियाद समाप्त हो चुके उत्पादों की बिक्री करने वाली दुकानों की पहचान के लिए औचक निरीक्षण किया था। लक्षद्वीप प्रशासन हाल के दिनों में ऐसे उत्पाद बेचने वाली दुकानों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई कर रहा है। ऐसे उत्पादों के सेवन से संक्रामक और जीवनशैली संबंधी बीमारियों सहित विभिन्न रोग होते हैं।

नौ साल में बड़े पैमाने पर राशि बट्टे खाते में डालने से बैंकिंग क्षेत्र कमजोर हुआ : अमित मित्रा

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के प्रधान मुख्य सलाहकार अमित मित्रा ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले नौ वर्षों में बड़े पैमाने पर राशि को बट्टे खाते में डालने और बकाया कर्ज की वसूली कम रहने से वर्तमान में देश का बैंकिंग क्षेत्र कमजोर हो रहा है।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के बैंकिंग सत्र में मित्रा ने कहा कि 2014-2023 तक पिछले नौ वर्षों में 14.56 लाख करोड़ रुपये के बकाया कर्ज को बैंकों के बही-खातों से हटाया गया है। यानी यह राशि बट्टे खाते में डाली गई है। 2021-22 के दौरान बट्टे खाते में डाली गई राशि 1.75 लाख करोड़ रुपये थी और 2022-23 में यह 2.09 लाख करोड़ रुपये थी।

मित्रा ने कहा कि केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री भागवत कराड ने संसद को सूचित किया था कि 14.56 लाख करोड़ रुपये की कुल बट्टे खाते में डाली गई राशि में से 7.40 लाख करोड़ रुपये बड़े उद्योग तथा सेवा खंडों की थी।

उन्होंने कहा कि 14.56 लाख करोड़ रुपये में से 2.04 लाख करोड़ रुपये की वसूली ही हो पाई, जिसका मतलब है कि 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वसूली अभी बाकी है। मित्रा के अनुसार, इससे पिछले नौ वर्षों (2005-2014) में 2.20 लाख करोड़ रुपये बट्टे खाते में डाले गए थे। इरादतन चूककर्ताओं पर उन्होंने कहा कि इस सूची में शीर्ष 50 पर 31 मार्च, 2023 तक अनुसूचित बैंकों का 87,295 करोड़ रुपये का बकाया था।

महिला आरक्षण विधेयक 'पोस्ट डेटेड चेक' की भांति है: बीआरएस नेता कविता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के सत्तारूढ़ दल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की विधान परिषद सदस्य के कविता ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि संसद से पारित महिला आरक्षण विधेयक 'पोस्ट डेटेड चेक' की भांति है जिस पर कोई स्पष्टता नहीं है कि यह कब लागू होने जा रहा है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ससंद के दोनों सदनों से पारित इस विधेयक के मुताबिक महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण तत्काल दिया जाना चाहिए। उन्होंने केंद्र की राजग सरकार पर इस विधेयक को लागू करने में समर्थ होने के बाद भी ऐसा नहीं करने का आरोप लगाया। कविता ने कहा, ''इसलिए यह इस देश की महिलाओं के लिए स्पष्ट संकेत है कि महिला आरक्षण विधेयक पारित कराना पोस्ट डेटेड चेक की तरह है। हमने चेक पर दस्तखत कर दिये हैं। रकम भी लिख दी गयी है लेकिन हमें पता नहीं कि

आप उसे कब भुना सकते हैं। इस पूरी कवायद का कोई मकसद नहीं है। यह मुझे बस प्रतीकात्मक नजर आता है।'' फिर भी, इस विधेयक का पारित होना एक अच्छी बात है जिस पर खुशी मनाई जानी चाहिए। ओबीसी महिलाओं को आरक्षण देने की मांग के विषय में कविता ने कहा कि शुरुआत के तौर पर संसद और विधानसभाओं में ओबीसी को 33% हिस्सेदारी दी जानी चाहिए और जब ओबीसी आरक्षण दे दिया जाएगा तो यह ओबीसी महिलाओं में भी अपने आप ही परिलक्षित होगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या चुनाव में जीत की क्षमता को महिलाओं के प्रतिनिधित्व को रोकने के लिए एक कारक के तौर पर पेश किया जाता है तो उन्होंने 'हां' में जवाब दिया और कहा कि राजनीतिक तंत्र में महिलाओं एवं समाज के अन्य तबकों का प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए और प्रयास की जरूरत है।

बाघ के अंगों की तस्करी के आरोप में चार गिरफ्तार

सिवनी/भाषा। मध्य प्रदेश के सिवनी जिले में वन विभाग के संयुक्त दल ने बाघ के अंगों की तस्करी के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों के पास से बाघ के अंगों को बरामद किया गया है। कुरई वन परिक्षेत्र के अधिकारी राहुल धारु ने बृहस्पतिवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मुख्यालय से करीब 30 किमी दूर राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर स्थित मोहगांव में वन विभाग के संयुक्त दल ने व्यापारी बनकर एक आरोपित को 60 हजार रुपये में बाघ के चार नग दांत का सौदा करते हुए मंगलवार-बुधवार की रात को गिरफ्तार किया है।

आरोपी की निशानदेही पर वन अमले ने अन्य तीन आरोपियों को हिरासत में लेकर कुरई सामान्य वन परिक्षेत्र के जमरापानी बीट के जंगल व आरोपित के घर से 25 नग हड्डियां जब्त की हैं। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों को आज न्यायालय में पेश किया जा रहा है। एक आरोपित प्रदीप मसराम (30) को पेंच टाइगर रिजर्व व दक्षिण सामान्य वन मंडल के संयुक्त दल ने मोहगांव के पास चार नग बाघ के दांत का सौदा करते हुए गिरफ्तार किया।

चावल निर्यात पर प्रतिबंध खाद्य सुरक्षा के लिए अंकुश के बजाय विनिमयन : भारत

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने कहा है कि चावल निर्यात पर लगी रोक अंकुश के बजाय उसका विनियमन है, जो 1.4 अरब लोगों की खाद्य सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है।

जिनेवा में 27 सितंबर को डब्ल्यूटीओ की कृषि समिति की बैठक के दौरान अमेरिका सहित कुछ देशों के एक समूह द्वारा उठाई गई चिंताओं के जवाब में भारत ने यह बात कही। जिनेवा स्थित अधिकारी ने कहा कि बैठक में भारत ने आयातक देशों में उनकी सरकारों के अनुरोध पर जरूरतमंदों को छूट देकर खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

भारत सरकार पहले ही नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (एनसीईएल) के माध्यम से भूटान (79,000 टन), संयुक्त अरब अमीरात (75,000 टन), मॉरीशस (14,000 टन) और सिंगापुर (50,000 टन) को गैर-बासमती चावल के निर्यात की अनुमति दे चुकी है। अधिकारी ने कहा, ''भारत सरकार की प्रतिबद्धता है कि खाद्य असुरक्षित, कमजोर देशों और पड़ोसी देशों के अनुरोध के मामले में, वह आवश्यक मात्रा में चावल या गेहूं उपलब्ध कराएगी।'' भारत ने तर्क दिया है कि निजी कारोबारियों को बाजार की स्थितियों में हेरफेर करने से रोकने के लिए, डब्ल्यूटीओ में अग्रिम अधिसूचनाएं प्रदान नहीं की गईं।

इसरो प्रमुख सोमनाथ ने सोमनाथ मंदिर में पूजा अर्चना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेरावल/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस.सोमनाथ ने बृहस्पतिवार को गुजरात स्थित प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर जाकर पूर्जा अर्चना की एवं भविष्य में इसरो के अभियानों की सफलता के लिए आशीर्वाद मांगा।

मंदिर के एक अधिकारी ने बताया कि उन्होंने मंदिर में 'सोमेश्वर महा पूजा' की और 'यज्ञ' में हिस्सा लिया।

गिर सोमनाथ जिले के वेरावल स्थित मंदिर परिसर में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए सोमनाथ ने कहा, ''चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग हमारा सपना था और भगवान सोमनाथ (शिव) की कृपा से हम यह करने में सफल रहे। भगवान सोमनाथ के आशीर्वाद के बिना हमें सफलता नहीं मिलती। इसलिए मैं यहां आया हूं और मेरा नाम भी भगवान के नाम पर है।''

सोमनाथ ने कहा कि उन्होंने भगवान शिव से इसरो के भविष्य के अभियानों में सफलता के लिए आशीर्वाद मांगा।

उन्होंने कहा, ''हमें अपने काम के लिए ताकत चाहिए। चंद्रमा पर लैंडिंग एक कार्य था। हमारे सामने कई और मिशन है जिसके लिए हमें ताकत की जरूरत है। इसलिए मैं यहां भगवान का आशीर्वाद लेने आया हूं।''

श्री सोमनाथ ट्रस्ट के महाप्रबंधक विजयसिंह चावड़ा ने बताया कि मंदिर में इसरो प्रमुख ने 'सोमेश्वर महा पूजा' की। उन्होंने बताया, ''इसरो प्रमुख ने परिसर स्थित गणेश मंदिर में आयोजित 'यज्ञ' में भी हिस्सा लिया और उसके बाद वह चार किलोमीटर दूर स्थित भालका तीर्थ गए।''

भालका तीर्थ के बारे में मान्यता है कि वहीं पर भगवान कृष्ण ने अपनी देह त्यागी थी।

केरल में मंत्री के कर्मचारी के रिश्वत लेने के मामले में विस्तृत जांच होगी : पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज के एक निजी कर्मचारी पर रिश्वत लेने का आरोप लगने से पैदा हुए राजनीतिक विवाद के मद्देनजर राज्य पुलिस ने बृहस्पतिवार को कहा कि व्यापक वैज्ञानिक जांच के जरिए सच्चाई सामने लाई जाएगी।

पुलिस ने यह भी कहा कि मामले में स्पष्ट तस्वीर शुक्रवार शाम तक सामने आ जाएगी। मलप्पुरम जिले के निवासी हरिदासन ने बुधवार को आरोप लगाया था कि मंत्री के एक निजी कर्मचारी ने उनकी बहू की सरकारी चिकित्सा अधिकारी के रूप में नियुक्ति के लिए एक लाख रुपये की रिश्वत ली। तिरुवनंतपुरम शहर के पुलिस आयुक्त सी.एच. नागराजू ने इस मामले में जांच की प्रगति के बारे में संवाददाताओं को जानकारी देते हुए कहा कि हरिदासन का विस्तृत बयान दर्ज किया जाएगा और इसके लिए पुलिसकर्मियों की एक टीम पहले ही मलप्पुरम के लिए रवाना हो चुकी है। पुलिस आयुक्त नागराजू ने कहा कि आरोपों के संबंध में मंत्री के कार्यालय द्वारा पुलिस महानिदेशक को भेजी गई एक शिकायत बुधवार को पुलिस मुख्यालय के माध्यम से उन्हें सौंपी गई थी। इसके अलावा आरोपों का सामना कर रहे निजी कर्मचारी अखिल मैथ्यू की एक अलग शिकायत भी इसमें संलग्न थी। पुलिस आयुक्त ने कहा, ''जैसे ही हमें शिकायत मिली, हमने शिकायत देने वाले अखिल मैथ्यू से संपर्क किया, उनका विस्तृत बयान लिया और प्राथमिकी दर्ज की। अभी इस मामले में जांच चल रही है। ''

उन्होंने कहा कि सहायक पुलिस आयुक्त स्तर का एक अधिकारी मामले की जांच करेगा और वह खुद इसकी निगरानी करेंगे। पुलिस को हरिदासन के खुलासे की जानकारी मीडिया के जरिए ही मिली है और यह पता लगाया जाना चाहिए कि उसने किसे पैसे दिए थे।

पुलिस आयुक्त ने कहा, ''आरोप सिद्ध करने के लिए वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए जाएं। कुछ भुगतान बैंक के माध्यम से किए जाने की बात कही गई थी। तो वो सबूत बन जायेगा। सीसीटीवी फुटेज और ई-मेल सब कुछ जांचा जाएगा। '' इस बीच, अखिल मैथ्यू के करीबी लोगों ने दावा किया कि वह घोटाले में शामिल नहीं थे और जिस दिन उनके बारे में कहा गया कि उन्होंने राजधानी में हरिदासन से रिश्वत ली थी, उस दिन वह एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए पथनमथिट्टा में थे। स्वास्थ्य मंत्री के कार्यालय के खिलाफ सामने आए रिश्वतखोरी के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के राज्य सचिव एम.वी. गोविंदन ने यहां संवाददाताओं से कहा कि इसकी व्यापक जांच की जानी चाहिए।

अन्नाद्रमुक नेता ने कहा, बीजेपी से कोई गठबंधन नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अन्नाद्रमुक के उप समन्वयक और पूर्व मंत्री के.पी. मुनुसामी ने गुरुवार को कहा कि पार्टी के एनडीए में वापस जाने या बीजेपी के साथ गठबंधन करने का कोई सवाल ही नहीं है। मुनुसामी कृष्णागिरी में मीडियाकर्मियों से बात कर रहे थे और उन रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे कि भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व मध्यस्थता करने के लिए असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा को काम सौंपा है।

उन्होंने कहा, 'पीएम उम्मीदवार को आगे कर लोकसभा चुनाव का सामना करने की कोई जरूरत नहीं है। हमारे मालिक तमिलनाडु के मतदाता हैं।' पूर्व मंत्री, जो एडप्पादी के. पलानीस्वामी (ईपीएस) के करीबी हैं, ने कहा कि पार्टी एक नया गठबंधन बनाएगी और लोकसभा चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन ने भी प्रधानमंत्री पद का कोई उम्मीदवार पेश नहीं किया है। उन्होंने यह भी कहा कि अन्नाद्रमुक ने दो करोड़ पार्टी कार्यकर्ताओं से राय लेने के बाद भाजपा से नाता तोड़ने का फैसला किया था और इसलिए, भाजपा में वापस जाने का कोई सवाल ही नहीं है।?

अन्नाद्रमुक के अलग होने पर भाजपा की तमिलनाडु कोर समिति चर्चा करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से अलग होने के फैसले से स्तब्ध भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जल्द ही कोर समिति व कार्यकारी समिति में इस मुद्दे और अन्य राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा करेगी। एक वरिष्ठ नेता ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। भाजपा नीत राजग से अलग होने की अन्नाद्रमुक की घोषणा को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए, पार्टी के नेता डॉ. पोंगुलेटी सुधाकर रेड्डी ने कहा कि इस मुद्दे पर जल्द ही पार्टी की राज्य कोर समिति और कार्यकारी समिति में चर्चा की जाएगी। रेड्डी ने पीटीआई-भाषा को बताया, 'मैं गठबंधन पर आधिकारिक टिप्पणी नहीं कर सकता। तमिलनाडु में घटनाक्रम पर केंद्रीय नेतृत्व नजर बनाए हुए है और वे इस संबंध में आवश्यक कदम उठाएंगे।'

अन्नाद्रमुक के भाजपा से अलग होने पर पार्टी नेतृत्व द्वारा केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से 'स्थिति रिपोर्ट' मांगे जाने के सवाल पर उन्होंने चुप्पी साध ली। भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेता ने संकेत दिया कि जमीनी हकीकत पर रिपोर्ट के लिए अन्नाद्रमुक के साथ पहले से संपर्क में रहे वरिष्ठ नेताओं से पूछताछ की जा सकती है। उन्होंने कहा कि गठबंधन पर फैसला सिर्फ और सिर्फ आलाकमान द्वारा ही किया जाएगा।

विधान परिषद के पूर्व सदस्य रेड्डी ने कहा, 'फिलहाल हम 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक जारी 'सेवा पखवाड़ा' में शामिल हैं। दो अक्टूबर के बाद ही संबंधित समितियों की बैठकें हो पाएंगी।' अन्नाद्रमुक ने सोमवार को भाजपा के साथ अपने रिश्तों को समाप्त कर लिया और कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी एक अलग गठबंधन का नेतृत्व करेगी।

पुलिस सम्मान के साथ होगा डॉ. स्वामिनाथन का अंतिम संस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने बृहस्पतिवार को कहा कि कृषि वैज्ञानिक एम.एस स्वामीनाथन का अंतिम संस्कार पुलिस सम्मान के साथ किया जाएगा।

स्थायी खाद्य सुरक्षा में स्वामीनाथन के उल्लेखनीय योगदान की सराहना करते हुए स्टालिन ने कहा कि हरित क्रांति के जनक डॉ. स्वामीनाथन ने लगभग 75 वर्ष तक भुखमरी को रोकने और खाद्य सुरक्षा के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में देश की सेवा की।

यहं एक आधिकारिक विज्ञप्ति में स्टालिन ने वैज्ञानिक डॉ. स्वामीनाथन के अंतिम संस्कार के लिए पुलिस सम्मान का आदेश दिया। विज्ञप्ति में उन्होंने कहा, 'पर्यावरण और कृषि के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान देने हेतु वैश्विक रूप से प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. स्वामीनाथन को सम्मान देने के लिए उनका अंतिम संस्कार पुलिस सम्मान के साथ किया जाएगा।'

एम.एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन के एक प्रवक्ता के मुताबिक, प्रख्यात वैज्ञानिक का अंतिम संस्कार यहां 30 सितंबर को किया जाएगा।

स्वामीनाथन ने कभी कहा था

हम वही काटते हैं जो हम बोते हैं, इसलिए सही चीजें बोना बहुत जरूरी है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक एम.एस. स्वामीनाथन ने कभी इस कहावत का जिक्र किया था कि 'हम वही काटते हैं जो हम बोते हैं' और इसलिए सही चीजें बोना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा था, चूंकि मैं कृषि पर काम कर रहा था, मेरा परिवार चाहता था कि मैं अपने बागानों का प्रबंधन संभालूं। लेकिन मेरा लक्ष्य नयी किस्मों को विकसित करने में महारत हासिल करना था।

दोस्तों और सहकर्मियों द्वारा प्यार से एम.एस. के नाम से पुकारे जाने वाले मोनकोम्बु संबाशिवन (एम.एस.) स्वामीनाथन ने अपने लंबे करियर में जो कुछ कहा, उसे कर दिखाया और किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर जबरदस्त पैदावार सुनिश्चित की। तमिलनाडु के कुंभकोणम में 7 अगस्त, 1925 को डॉ. एम.के. संबाशिवन और पार्वती थंगम्मई के घर जन्मे स्वामीनाथन ने उस समय कृषि क्षेत्र की दिशा बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जब किसान पुरानी कृषि पद्धति पर निर्भर थे।

स्वामीनाथन उस युग से ताल्लुक रखते थे, जब देश के कई हिस्सों में भूख और कुपोषण आम बात थी और लगभग 30 करोड़ की आबादी वाला देश आजादी हासिल करने के करीब था। बंगाल के अकाल (1943-44) ने न केवल लोगों को परेशान किया, बल्कि स्वामीनाथन के करियर को भी बहुत प्रभावित किया। इसने उन्हें खाद्य सुरक्षा और फिर पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने पर अपना लक्ष्य निर्धारित करने के लिए मजबूर किया।

पादप आनुवंशिकीविद् के रूप में शुरू हुए स्वामीनाथन के शोध ने खाद्य असुरक्षा के मुद्दे का समाधान किया, जिससे छोटे किसानों को उत्पादकता बढ़ाकर अपनी आय बढ़ाने में मदद मिली। आख़िरकार, एक राष्ट्र जो 1960 के दशक में अपने लोगों का भरण-पोषण करने के लिए अमेरिकी गेहूं पर निर्भर था, वह अपनी जरूरत से अधिक खाद्यान्न का उत्पादन करने वाले राष्ट्र के रूप में तब्दील हो गया। उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए, उन्हें पद्म विभूषण और प्रतिष्ठित रेमन मैगसायसाय पुरस्कार सहित कई शैक्षणिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

भारतीय किसानों ने बहुत अच्छे मानसून में उपजाये गये 1.2 करोड़ टन गेहूं के मुकाबले 1968 में, यह अनाज 1.7 करोड़ टन उपजाया। अतिरिक्त 50 लाख टन की पैदावार वास्तव में एक लंबी छलांग थी। यह 'गेहूं क्रांति' बन गई और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने जुलाई 1968 में एक विशेष स्मारक डाक टिकट जारी किया था। स्वामीनाथन को गेहूं के अलावा, धान और आलू की उपज बढ़ाने में उनके योगदान के लिए भी जाना जाता है। उन्होंने खेतीबारी में नवीन तकनीकों को अपनाकर कृषि अर्थव्यवस्था में बदलाव लाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। करेंट साइंस (लिविंग लेजेंड्स इन इंडियन साइंस) में प्रकाशित एक आलेख के अनुसार, उन्होंने 1949 में कृषि विश्वविद्यालय, वैगनिंगन, नीदरलैंड और बाद में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में आलू के 'साइटोजेनेटिक' अध्ययन के साथ अपना शोध करियर शुरू किया, जहां उन्होंने 1952 में जेनेटिक्स में पीएचडी हासिल की।

एम एस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन (एमएसएसआरएफ) के कार्यकारी निदेशक जी एन हरिहरन ने कहा, डॉ स्वामीनाथन कहते थे कि देश का भविष्य अनाज से बनेगा, बंदूक से नहीं। हरिहरन ने बताया कि स्वामीनाथन ने 1987 में प्राप्त प्रथम विश्व खाद्य पुरस्कार की राशि से इस फाउंडेशन की स्थापना की थी। वह अल्पपोषण और कुपोषण को खत्म करने के लिए भी प्रतिबद्ध थे।

स्वामीनाथन ने एक बार कहा था कि पोषण सुरक्षा में अल्पपोषण, प्रोटीन की जरूरत, और आयरन, आयोडीन, जस्ता, विटामिन ए तथा अन्य सूक्ष्म पोषक तत्वों के अपर्याप्त उपभोग से उत्पन्न होने वाली छिपी हुई भूख पर भी साथ-साथ ध्यान देना शामिल है। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में, 1950 के दशक में एक युवा वैज्ञानिक के रूप में स्वामीनाथन ने डॉ. नॉर्मन बोरलॉग द्वारा नव विकसित गेहूं की मैक्सिकन बौनी किस्म के बारे में सीखा और उन्हें भारत में आमंत्रित किया।

इन दोनों वैज्ञानिकों ने गेहूं की ऐसी किस्मों को विकसित करने के लिए साथ मिलकर काम किया, जिसने अधिक पैदावार वाले अनाज उपजाने के साथ-साथ अधिक बायोमास' उत्पन्न करने के लिए पर्याप्त रूप से मजबूत डंठल संरचनाएं विकसित कीं। भारतीय किसानों को अधिक पैदावार देने वाली गेहूं की किस्मों और कृषि तकनीकों के संयोजन का उपयोग कर उत्पादन को प्रभावी ढंग से बढ़ाने के तरीके सिखाने के लिए नए तरीके तैयार करने के अलावा, उन्होंने भारत के उत्तरी क्षेत्र में हजारों परीक्षण भूखंड चिह्नित किए। उन्होंने किसानों के साथ काम किया और उनकी निरक्षरता और औपचारिक शिक्षा की कमी को आड़े नहीं आने दिया।

भारत में हरित क्रांति का विस्तार करने, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और लाखों लोगों की आजीविका में सुधार के लिए उन्हें विश्व के प्रथम खाद्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्हें दुनिया भर के विश्वविद्यालयों से 84 मानद डॉक्टरेट उपाधि प्राप्त करने के अलावा प्रतिष्ठित पद्म श्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण पुरस्कार प्राप्त हुए। वह 2007-13 के दौरान राज्यसभा सदस्य थे और 2010-13 में, उन्होंने खाद्य सुरक्षा पर विश्व समिति (सीएफएस) के विशेषज्ञों के उच्च स्तरीय पैनल की अध्यक्षता की। अपने फाउंडेशन के माध्यम से, उन्होंने छह लाख से अधिक कृषक परिवारों के जीवन में बदलाव लाया। उनके परिवार में तीन बेटियां हैं। उनकी एक बेटी डॉ. सौम्या स्वामीनाथन विश्व स्वास्थ्य संगठन की पूर्व मुख्य वैज्ञानिक हैं। मधुरा स्वामीनाथन और नित्या राव उनकी अन्य दो बेटियां हैं। उनकी पत्नी मीना स्वामीनाथन का पहले ही निधन हो चुका है।

भारत के कृषि की प्रगति में स्वामीनाथन का योगदान अतुलनीय : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने जाने-माने वैज्ञानिक एम. एस. स्वामीनाथन के निधन पर बृहस्पतिवार को दुख व्यक्त किया और कहा कि भारत की कृषि प्रगति और अर्थव्यवस्था में उनका योगदान अतुलनीय है।

भारत में हरित क्रांति के जनक कहे जाने वाले स्वामीनाथन (98) का उम्र संबंधी बीमारी के कारण बृहस्पतिवार को निधन हो गया। उनके परिवार में तीन बेटियां हैं।

सिद्दरामैया ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया, यह जानकर दुख हुआ कि प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक एवं भारत की हरित क्रांति के जनक श्री एम एस स्वामीनाथन अब हमारे बीच नहीं रहे।

भारत की कृषि प्रगति और अर्थव्यवस्था में उनका योगदान अतुलनीय है। उनके कार्यों को सरकारें व्यापक रूप से संदर्भित करती हैं। उनके परिवार के सदस्यों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

ट्रेवर नोआ का शो रद्द होने के साथ-साथ बेंगलूरु निवासियों ने सोशल मीडिया पर बयां की परेशानियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। हास्य अभिनेता ट्रेवर नोआ ने बेंगलूर में भले ही अपना कार्यक्रम 'साउंड सिस्टम' की गड़बड़ियों के कारण रद्द कर दिया हो किंतु शहर निवासियों ने इसकी आड़ में अपनी समस्याओं को उठाने के लिए सोशल मीडिया पर एक अभियान छेड़ दिया जिसमें खस्ताहाल सड़कों से लेकर तमाम परेशानियों का उठाया गया।

शहर की बाहरी रिंग रोड पर 27 सितंबर की रात भीषण यातायात जाम लगा था। इस मार्ग को शहर की जीवन रेखा कहा जाता है। यहां के जाम का असर पूरे शहर पर असर देखा गया। यहां तक कि ट्रेवर नोआ को भी अपने कार्यक्रम में पहुंचने में देरी हो गई।

नोआ के शो के लिए जा रहे लोग भी जाम में फंस गए और इस दौरान देखा गया कि कुछ लोग 6,500 रुपये के मूल्य वाला टिकट 5,000 रुपये में बेचने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि, 'साउंड सिस्टम' में कुछ तकनीकी खराबी के कारण बाद में शो रद्द कर दिया गया। नोआ ने सोशल मीडिया पर इसको लेकर माफी भी मांगी।

नोआ के कार्यक्रम के आयोजक 'बुकमायशो' ने बुधवार और बृहस्पतिवार की दरमियानी रात करीब एक बजकर 55 मिनट पर सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में लिखा, 27 सितंबर को मैनफो सम्मेलन केंद्र में होने वलो ट्रेवर नोआ के कार्यक्रम रद्द किये जाने पर हमें खेद है। 28 सितंबर के कार्यक्रम को भी रद्द कर दिया गया है। दोनों शो के लिए टिकट खरीदने वाले सभी ग्राहकों को 8-10 कार्य दिवसों में पूरा पैसा वापस मिल जाएगा।

देर रात तक जाम में फंसे रहे लोग सोशल मीडिया पर पोस्ट करते रहे और उन्होंने जमकर आलोचना की। इस दौरान 'मीम्स' भी साझा किये गए।

अमेजन के एक वरिष्ठ कर्मचारी अनुराग माथुर जैसे कई लोगों ने जाम में फंसे होने के दौरान सोशल मीडिया पर अपनी परेशानियों को बयां करती हुई पोस्ट डाली। माथुर के पोस्ट हास्य से भरपूर थे। उन्होंने पोस्ट में बताया कि अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए वह लगभग पांच घंटे तक जाम में रेंगते रहे। उन्होंने लिखा कि अचानक ऊर्जा के उत्साह के साथ उनके कैब चालक ने तीन घंटे में पहली बार दूसरा गियर बदला है। उन्होंने कहा कि आज 10 किमी प्रतिघंटा की गति तक पहुंचते हुए दूसरी कार से आगे निकल गया और मैप अभी भी घर पहुंचने के लिए डेढ़ घंटे का समय दिखा रहा है।

एक और व्यक्ति ने एक्स पर वीडियो के साथ एक पोस्ट किया, जिसमें दिखाया गया कि खाद्य सामाग्री की सप्लाई करने वाले दो लड़के दोपहिया वाहन पर आए और जाम में फंसी एक कार के चालक को पिज्जा दिया। इस मामले पर राजनीति भी शुरू हो गई।

बेंगलूरु सेंट्रल के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद एल सी मोहन ने एक्स पर पोस्ट किया, बैयप्पनहल्ली-केआर पुरा मेट्रो लिंक इस राह को आसान बना सकती थी, लेकिन मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त (सीएमआरएस) की मंजूरी के बावजूद राज्य सरकार की निष्क्रियता ने लोगों की पीड़ा को बढ़ा दिया।

केनरा बैंक ने 7.54 प्रतिशत प्रति वर्ष की कूपन दर पर 5,000 करोड़ रुपये जुटाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केनरा बैंक ने अपने पहले दीर्घकालिक बुनियादी ढांचा बांड जारी कर 7.54 प्रतिशत प्रति वर्ष की कूपन दर पर 5,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

केनरा बैंक की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, 14,180 करोड़ रुपये से अधिक की बोलियों के साथ इसको निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। 1,000 करोड़ रुपये के निर्गम मूल्य के साथ इसमें 4,000 करोड़ रुपये का ग्रीन शू विकल्प शामिल है।

केयर रेटिंग्स लिमिटेड और इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च लिमिटेड द्वारा बैंक के दीर्घकालिक इन्फ्रास्ट्रक्चर बांड को 'एएए/स्थिर' रेटिंग दी गई है।

भाजपा हमेशा कावेरी मुद्दे पर आंदोलन का समर्थन करेगी : बोम्मई

हुब्बल्ली। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई का कहना है कि जब तक विवाद रहेगा, भाजपा कावेरी जल के लिए आंदोलन का समर्थन करेगी। पूर्व मुख्यमंत्री ने हुब्बल्ली में पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु को 3,000 क्यूसेक पानी छोड़ने के आदेश जारी कर दिए गए हैं।

जब कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) ने कर्नाटक को प्रतिदिन 10,000 क्यूसेक पानी छोड़ने का निर्देश दिया था, तब राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में प्रभावी ढंग से दलील दी होती तो यह स्थिति नहीं आती। आख़िरकार राज्य सरकार को समझदारी आती दिख रही है। पहले ही तमिलनाडु में काफी पानी बह चुका है, जो कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण के आदेशों का पूरी तरह से उल्लंघन है। पीने के पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है, जिस पर सरकार को ध्यान देना चाहिए। उत्तरी कर्नाटक के अधिकांश इलाके सूखे की चपेट में हैं। किसान बारिश की कमी के कारण अपनी खरीफ फसल बर्बाद होने को लेकर चिंतित हैं। पूर्व मुख्यमंत्री बोम्मई ने आगे कहा कि अभी तक सरकार ने उन्हें मुआवजा नहीं दिया है। पिछली भाजपा सरकार ने मानकों से दोगुना प्रोत्साहन दिया था लेकिन मौजूदा सरकार ने ऐसा नहीं किया।

पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा और कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने स्वामीनाथन के निधन पर जताया शोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी.देवेगौड़ा और हरियाणा एवं दिल्ली सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों एवं कई नेताओं ने प्रख्यात वैज्ञानिक और भारत में हरित क्रांति के जनक एम.एस.स्वामीनाथन के निधन पर बृहस्पतिवार को गहरा शोक व्यक्त किया।

देवेगौड़ा ने स्वामीनाथन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि कई मौकों पर उन्हें उनके सुझावों से बहुत लाभ हुआ।

भारत में हरित क्रांति के जनक के तौर पर विख्यात 98 वर्षीय स्वामीनाथन का उम्र संबंधी बीमारियों की वजह से बृहस्पतिवार को निधन हो गया। स्वामीनाथन की तीन बेटियां हैं जिनमें डॉ. सौम्या स्वामीनाथन इस समय एम एस स्वामीनाथन रिसर्च फांउडेशन की अध्यक्ष हैं और पूर्व में विश्व स्वास्थ्य संगठन की मुख्य वैज्ञानिक भी रह चुकी हैं। उनकी दूसरी बेटी मधुरा स्वामीनाथन बेंगलूरु स्थित भारतीय सांख्यिकी संस्थान में आर्थिक विश्लेषण इकाई की प्रमुख एवं प्रोफेसर हैं जबकि तीसरी बेटी नित्या राव यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंजलिया में स्कूल ऑफ इंटरनेशनल डेवलपमेंट में लैंगिकता एवं विकास विभाग की प्रोफेसर हैं।

स्वामीनाथन की पत्नी मीना स्वामीनाथन, प्री स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में भारतीय शिक्षाविद थीं और पिछले साल मार्च में उनका निधन हो गया था।

देवेगौड़ा ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर पोस्ट किया, मैं डॉ.एम एस स्वामीनाथन के निधन की खबर सुनकर दुखी हूं। कई मौकों पर उनकी सलाह से मुझे बहुत लाभ हुआ और हाल में उनसे संपर्क हुआ था। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार एवं मित्रों के साथ है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे।''

तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि स्वामीनाथन हरित क्रांति के जनक और आधुनिक भारत के निर्माता थे।''

उन्होंने कहा कि वह हमेशा लोगों के दिलों और दिमाग में बने रहेंगे। रवि ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर पोस्ट किया, दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार एवं मित्रों के साथ हैं। ओम शांति।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने अपने शोक संदेश में कहा, प्रख्यात कृषि वैज्ञान थिरु एम एस स्वामीनाथन के निधन की खबर सुनकर दुखी हूं। सतत खाद्य सुरक्षा में उनके उल्लेखनीय कार्य का असर पूरी दुनिया पर पड़ा। पुडुचेरी की उप राज्यपाल तमिलिसाई सौंदर्यराजन ने स्वामीनाथन के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, हरित क्रांति के जनक ने कृषि उपज बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए और कई किसानों का उन्नयन किया। उन्होंने अपनी क्षमता से अधिक देश सेवा की।

पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगासामी ने भी स्वामीनाथन के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने अपने शोक संदेश में कहा, स्वामीनाथन का निधन देश के लिए अपूरणीय क्षति हैं। पुडुचेरी के वरिष्ठ किसान नेताओं ने केंद्र शासित प्रदेश में 1974 में कृषि विज्ञान केंद्र स्थापित करने में स्वामीनाथन के योगदान को याद किया। यह पायलट योजना थी जिसे बाद में पूरे देश में लागू किया गया।

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने भी स्वामीनाथन के निधन पर शोक व्यक्त किया है। खान ने कहा कि स्वामीनाथन भारत की हरित क्रांति के अहम शिल्पकार थे और विज्ञान एवं कृषि के जरिये समृद्धि लाने का उनका दृष्टिकोण खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान में प्रतिबिंबित होता है। वह केवल केरल के ही नहीं बल्कि पूरे देश के गौरव थे। उनकी आत्मा को शांति मिले।

विजयन ने कहा कि कृषि वैज्ञानिक द्वारा खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और किसानों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए किए गए कार्यों को हमेशा याद किया जाएगा। केरल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस विधायक वी डी सतीशन ने स्वामीनाथन के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने कृषि क्षेत्र के विकास एवं देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ के निर्माण में अहम भूमिका निभाई।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि स्वामीनाथन के जाने से देश के कृषि क्षेत्र और किसानों ने मार्गदर्शक खो दिया है।

राव ने कहा, स्वामीनाथन पहले वैज्ञानिक थे जिन्होंने पूरी जिंदगी खाद्य सुरक्षा के दृष्टिकोण और देश की जरूरतों के लिए काम किया। वह हमेशा देश में विभिन्न फसलों की किस्मों को सभी राज्यों की भौगोलिक परिस्थिति के अनुरूप विकसित करने के लिए याद किए जाएंगे।

'इस समय पाकिस्तानी टीम भारत की तुलना में कमजोर है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महान तेज गेंदबाज वकार यूनिस ने विश्व कप से पहले रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम की तैयारियों को देखते हुए भारत को पाकिस्तान टीम से बेहतर बताया। भारत ने हाल में एशिया कप जीत था और कोलंबो में सुपर फोर मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 228 रन के विशाल अंतर से पराजित किया था। विश्व कप में भारत का सामना अहमदाबाद में 14 अक्टूबर को पाकिस्तान से होगा और यूनिस ने कहा कि दोनों ही टीम पर दबाव होगा।

यूनिस ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, जैसा कि हम सभी जानते हैं कि भारत बनाम पाकिस्तान बड़ा मुकाबला होगा, जो सभी मुकाबलों पर भारी पड़ता है। जब आप अहमदाबाद में खेलते हो तो आपको खुद पर संयम बनाये रखना होता है। इसलिये सिर्फ कमजोर पाकिस्तानी टीम ही दबाव में नहीं होगी बल्कि भारत पर भी दबाव होगा। उन्होंने कहा, स्टेडियम में दर्शकों को देखते हुए भारत भी दबाव में होगा। दोनों टीमें दबाव में होंगी।

यूनिस ने कहा, 'अगर हम टीम के प्रदर्शन के आधार पर बात करें तो भारत निश्चित रूप से बेहतर टीम है।' उन्होंने कहा, 'अगर मैं पाकिस्तान के बारे में बात करूं तो इस बार टीम इतनी मजबूत नहीं है, नसीम शाह की अनुपस्थिति सबसे बड़ा झटका है क्योंकि नसीम और शाहीन (अफरीदी) नयी गेंद से एक दूसरे के पूरक हुआ करते थे।'

यूनिस ने कहा, हालांकि हसन अली को उनकी जगह शामिल किया गया है, वह काफी अनुभवी है और बीते समय में काफी अच्छे प्रदर्शन दे चुका है। लेकिन मुझे लगता है कि अचानक से आकर इस तरह के बड़े मंच पर प्रदर्शन करना उसके लिए आसान नहीं होगा।

शाह, नड्डा ने पार्टी नेताओं से चुनावी मुद्दों पर मंथन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आगामी विधानसभा चुनाव से जुड़े मुद्दों को लेकर यहां पार्टी के स्थानीय नेताओं के साथ लंबी चर्चा की। पार्टी सूत्रों ने बताया कि बैठकों का दौर बुधवार देर शाम यहां एक होटल में शुरू हुआ जो देर रात दो बजे तक जारी रहा। दोनों नेताओं का बृहस्पतिवार सुबह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्थानीय पदाधिकारियों से मलिने का कार्यक्रम है।

पार्टी में राजस्थान को लेकर शीर्ष स्तरीय बैठकों का यह दौर ऐसे समय में हुआ है जब वह अपने प्रत्याशियों की पहली सूची जारी करने वाली है। पार्टी द्वारा मध्य प्रदेश में तीन केंद्रीय मंत्रियों और चार अन्य सांसदों को विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार बनाए जाने के बाद इन अटकलों को बल मिला है कि राजस्थान में भी दो केंद्रीय मंत्रियों को विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए कहा जा सकता है। राजस्थान व मध्य प्रदेश सहित कई राज्यों में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। शाह और नड्डा बुधवार शाम एक विशेष विमान से जयपुर पहुंचे और हवाई अड्डे के पास एक होटल गए जहां पार्टी की कोर कमेटी की बैठक शुरू हुई।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि शाह और नड्डा ने सबसे पहले पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के साथ बैठक की। राजे से मुलाकात करीब 15 मिनट तक चली। इसके बाद पार्टी के राज्य के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ

बैठक शुरू हुई जिसमें विधानसभा क्षेत्रों व चुनावी रणनीति पर चर्चा हुई। हाल में संपन्न हुई चार परिवर्तन यात्राओं पर भी 'फीडबैक' लिया गया। सूत्रों ने कहा, समीक्षा की गई कि यात्राओं में कहां लोग अधिक आए और कहां कम। इसके कारणों पर चर्चा की गई।

बैठक में केंद्रीय मंत्री और राजस्थान के लिए पार्टी के चुनाव प्रभारी प्रह्लाद जोशी, सह प्रभारी नितिन पटेल, राजस्थान के लिए पार्टी के प्रभारी अरुण सिंह, प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुन मेघवाल व कैलाश चौधरी, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, उपनेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां और अन्य नेता मौजूद थे। बैठक करीब तीन घंटे तक चली। इसके बाद सतीश पूनियां व सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ बैठक स्थल से निकलते दिखाई दिए।पार्टी सूत्रों के अनुसार, नड्डा और शाह ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, चुनाव सह प्रभारी नितिन पटेल, राजस्थान प्रभारी अरुण सिंह और कुलदीप विश्नोई और विजया रहाटकर सहित अन्य नेताओं के साथ अगले दौर की बैठक की। सूत्रों ने बताया, बैठक में विधानसभा क्षेत्रों पर चर्चा हुई। बैठक में इस बात पर मंथन किया गया कि विधानसभा और लोकसभा चुनाव में मेवाड़, शेखावाटी, हाड़ौती, मारवाड़ इलाके और पूर्वी राजस्थान में अधिक से अधिक सीटें कैसे जीती जाएं। इसके अनुसार, इस बात का बारीकी से आकलन किया गया कि किन निर्वाचन क्षेत्रों में पार्टी कमजोर है और जीत सुनिश्चित करने के लिए क्या रणनीति की जरूरत है। उन सीटों की श्रेणियों पर भी विस्तृत चर्चा हुई – जहां पार्टी पिछले तीन चुनावों से लगातार जीत रही है या हार रही है और जहां पार्टी वैकल्पिक रूप से जीत रही है। सूत्रों ने कहा, बैठक में स्पष्ट संदेश दिया गया कि पार्टी संगठन ही सर्वोपरि है और चुनाव में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा।

पार्टी की राज्य इकाई के सूत्रों ने कहा कि केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को कुछ अन्य सांसदों के साथ विधानसभा चुनाव में उतारा जा सकता है। पार्टी नेताओं ने कहा कि बैठक में टिकट वितरण और अन्य चुनाव संबंधी मुद्दों पर चर्चा की गई। हालांकि, बैठक के बाद होटल से निकल रहे पार्टी नेताओं ने बैठकों के बारे में मीडियाकर्मियों से बात नहीं की। चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नारायण पंचारिया ने बताया कि पार्टी की ओर से आधिकारिक तौर पर ही मीडिया को जानकारी दी जाएगी।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि नड्डा और शाह बृहस्पतिवार सुबह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्थानीय पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे। उल्लेखनीय है कि राज्य के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों से निकाली गई पार्टी की परिवर्तन यात्राओं के पूरा होने के अवसर पर सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जयपुर के पास जनसभा को संबोधित किया था। उसके ठीक बाद शाह और नड्डा राजस्थान पहुंचे हैं। सूत्रों के अनुसार, पार्टी अब युवाओं, किसानों और महिलाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए कार्यक्रमों की योजना बना रही है।

राजस्थान में चुनावी तैयारियों का जायजा लेगा निर्वाचन आयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। निर्वाचन आयोग का एक उच्च स्तरीय दल राजस्थान में विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने के लिए शुक्रवार को यहां पहुंचेगा। यह दल तीन दिन यहां रहेगा और तैयारियों की समीक्षा करेगा। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, निर्वाचन आयुक्त अनूप चंद्र पांडेय और निर्वाचन आयुक्त अरुण गोयल 29 सितंबर से एक अक्टूबर तक जयपुर में रहेंगे। इस दौरान वे राज्य में विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा करेंगे। राज्य में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं।

गुप्ता ने एक बयान में बताया कि 29 सितंबर को मुख्य निर्वाचन आयुक्त, आयुक्त व अन्य वरिष्ठ अधिकारी जयपुर में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे। इसके पश्चात आयोग राज्य पुलिस, आयकर, आबकारी, परिवहन, वाणिज्यिक कर विभाग, रेलवे तथा एयरपोर्ट आदि के नोडल अधिकारियों से चर्चा करेंगे।

अगले दिन यानी 30 सितंबर को मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राज्य पुलिस नोडल अधिकारी एवं केन्द्रीय पुलिस बल के नोडल अधिकारियों द्वारा तैयारियों को लेकर टीम के सामने प्रस्तुतिकरण दिया जाएगा। इसके पश्चात जिला निर्वाचन अधिकारियों, पुलिस महानिरीक्षकों, जिला पुलिस अधीक्षकों और चुनाव से जुड़े अधिकारियों के साथ बैठक कर चुनाव पूर्व तैयारियों का जायजा लेंगे।एक अक्टूबर को यह दल राज्य की मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक के साथ बैठक में विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा करेंगे और संवाददाताओं से बातचीत करेंगे।

स्वामीनाथन का निधन एक युग का अवसान : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक एम एस स्वामीनाथन के निधन पर शोक जताते हुए इसे एक युग का अवसान बताया। मुख्यमंत्री ने स्वामीनाथन के चित्र के साथ सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा,एक युग का अवसान! भारत को खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के प्रणेता और हरित क्रांति के जनक एमएस स्वामीनाथन जी का निधन विज्ञान जगत में अपूरणीय क्षति है।' गहलोत ने कहा कि कृषि विज्ञान, जनसेवा और अनाज उपलब्धता के लिहाज से स्वामीनाथन के अतुलनीय योगदान को भुलाया नहीं जा सकेगा।

उल्लेखनीय है कि प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक और देश की 'हरित

क्रांति' में अहम योगदान देने वाले एम एस स्वामीनाथन का बृहस्पतिवार को चेन्नई में निधन हो गया। वह 98 वर्ष के थे। राज्यपाल कलराज मिश्र ने भी स्वामीनाथन के निधन पर शोक जताया है। राज्यपाल ने कहा कि स्वामीनाथन का निधन कृषि विज्ञान और कृषि चिंतन के क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है।

उपराष्ट्रपति के राजस्थान दौरे पर सवाल उठाया, शेखावत ने गहलोत पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के राजस्थान दौरे पर सवाल उठाने को लेकर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को निशाने पर लिया है। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने गहलोत पर हमला बोलते हुए कहा कि अगर चीजें अशोक गहलोत के नियंत्रण में होती तो वह केंद्रीय मंत्रियों के दौरे पर प्रतिबंध लगा देते।

बुधवार को जब मुख्यमंत्री गहलोत ने उपराष्ट्रपति के लगातार राजस्थान दौरे पर सवाल उठाए तो शेखावत ने कहा कि अशोक गहलोत जी हार से डर गए हैं। वह राज्य में उपराष्ट्रपति के आगमन से भी परेशान हैं। उन्होंने केंद्र से लगभग सभी रिश्ते तोड़ लिए हैं। अगर उनके वश में होता तो वे केंद्रीय मंत्रियों के राज्य दौरे पर प्रतिबंध लगा देते। उपराष्ट्रपति धनखड़ के लगातार राजस्थान दौरे पर सवाल उठाते हुए गहलोत ने कहा था, पहले प्रधानमंत्री आए और अब उपराष्ट्रपति अप-डाउन कर रहे हैं। आज उपराष्ट्रपति पांच स्थानों का दौरा करेंगे।

उन्होंने कहा, ''चाहे राज्यपाल हों या उपराष्ट्रपति हम उनका सम्मान करते हैं।बार-बार आओगे तो लोग क्या सोचेंगे? ये संवैधानिक संस्थाएं हैं। चाहे कोई भी सरकार हो, उनका सम्मान किया जाना चाहिए। इस बार प्रधानमंत्री ने साफ कर दिया कि प्रोटोकॉल में कोई नहीं आएगा, न अधिकारी, न मंत्री।'' उन्होंने कहा, जब शेखावत साहब उपराष्ट्रपति बने तो उन्होंने कहा था कि राजस्थान मेरा घर है। यहां प्रोटोकॉल में कोई नहीं आएगा।

मुख्यमंत्री गहलोत बुधवार को जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में मिशन 2030 के लिए जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, एक के बाद एक मंत्री आ रहे हैं। वैसे भी मंत्रियों के पास कोई काम नहीं है। इन लोगों ने एक नई व्यवस्था बनाई है। मंत्री काम नहीं कर रहे हैं और एक आरएसएस के व्यक्ति को बैठा दिया गया है और वह सब कुछ चला रहा है। आने वाले चुनाव में जनता उन्हें करारा जवाब देगी।

बच्चे हमारी धरोहर, बच्चों की क्षमता से अधिक ना हो पढ़ाई का बोझ : उषा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा की अध्यक्षता में आज गुरुवार को शासन सचिवालय में प्रदेश में संचालित कोचिंग संस्थानों में अध्यनरत विद्यार्थियों में तनाव कम करने एवं उनका मानसिक स्वास्थ्य बेहतर करने हेतु दिशा निर्देश 2023 की अनुपालना में एक उच्चस्तरीय वर्चुअल बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि बच्चों में पढ़ाई के अवांछित तनाव को कम करने के लिए हर संभव प्रयास किए जाने चाहिए, ताकि वह हताश और निराश होकर गलत कदम ना उठा लें। बच्चे अपने उम्र के बहुत ही नाजुक दौर में अपने माता-पिता से दूर कोचिंग में पढ़ने आ जाते हैं जहां उन्हें गला काट प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है। कोचिंग संस्थानों द्वारा भी अपनी सफलता दर बढ़ाने के लिए बच्चों को इस अंधी दौड़ में धकेल दिया जाता है। उन्होंने कहा कि बच्चे हमारी धरोहर हैं। हमारी जिम्मेदारी है कि पढ़ाई के बोझ की वजह से किसी बच्चे की जान ना जाए।

श्रीमती शर्मा ने कहा कि पढ़ने वाले बच्चों में इस तरह की किसी भी

अप्रिय घटना को रोकने की जिम्मेदारी कोचिंग संचालकों की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गंभीरता से इस दिशा में प्रयास किया जा रहे हैं। उन्होंने हर 10 दिन में इस संबंध में बैठक आयोजित करने के निर्देश भी दिए। मुख्य सचिव ने जिला कलेक्टर और जिला एसपी को भी जिले के कोचिंग संस्थानों में राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रमुख शासन सचिव, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा भवानी सिंह देथा ने बताया कि विषय की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए समिति द्वारा संबंधित स्टेकहोल्डर जैसे कोचिंग संचालकों, अभिभावकों, मनोवैज्ञानिक सलाहकारों,शिक्षाविदों आदि से विस्तृत विचार विमर्श कर सुझाव प्राप्त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्राप्त सुझावों का गहन अध्ययन एवं विश्लेषण करने के बाद उच्च स्तरीय समिति द्वारा रिपोर्ट राज्य सरकार को प्रस्तुत कर दी गई है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में कोचिंग संस्थानों के विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या के प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा कोचिंग संचालकों के साथ संवाद भी किया गया था। मुख्यमंत्री के निर्देशों की अनुपालना में समस्या के समाधान हेतु कार्य योजना बनाने के लिए प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा एक उच्च स्तरीय समिति का गठन भी किया गया है।

बैठक में कोचिंग संस्थाओं हेतु दिशा निर्देश जारी किए गए जिसमें मुख्यता से इस बात पर बल दिया गया की नौंवी क्लास से पहले कोचिंग संस्थानों में प्रवेश न दिया जाए। समिति द्वारा विद्यार्थियों में बढ़ते तनाव व मानसिक दबाव के कारणों की चर्चा भी की गई तथा इससे निजात पाने के उपायों पर भी दिशानिर्देश जारी किए गए। इसमें असेसमेंट रिजल्ट सार्वजनिक नहीं करने, डेढ़ दिन का साप्ताहिक अवकाश देने, बच्चों और शिक्षकों का अनुपात सही करने, इजी एग्जिट एवं हेल्पलाइन सेवाएं एवं निगरानी व्यवस्था को 24 घंटे सुचारू रूप से चलाये जाने की व्यवस्था के निर्देश दिए गए। साथ ही रिफंड पॉलिसी को अपनाने पर भी जोर दिया गया।

कोटा में एक और छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के कोटा में रहकर नीट की प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहे एक छात्र ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। राजस्थान की कोचिंग सिटी कहे जाने वाले कोटा में किसी कोचिंग छात्र के आत्महत्या करने की इस साल की यह 27 वीं और इस महीने की तीसरी घटना है। हालांकि यह छात्र किसी कोचिंग संस्थान का छात्र नहीं था बल्कि अपने स्तर पर पढ़ाई कर नीट में प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहा था। उत्तर प्रदेश के महाराजगंज का रहने वाला छात्र तनवीर (20) पिछले डेढ़ साल से कोटा में रहकर नीट की तैयारी कर रहा था। वह अपने पिता मोहम्मद हुसैन और बहिन ताहिरा के साथ कोटा की कुन्हाड़ी थाना क्षेत्र के कृष्णा नगर में किराये के मकान में रहकर नीट की तैयारी कर रहा था। उसके पिता ट्यूशन पढाते थे।

बुधवार रात उसने अपनी बहन को यह कहकर कमरे के बाहर भेजा कि वह कपड़े बदलेगा। उसने बहिन के जाने के बाद कमरे की कुंडी लगाकर फांसी से लटक कर आत्महत्या कर ली। घटना के समय उसके पिता मोहम्मद हुसैन ट्यूशन पढ़ाने के लिए गए हुए थे। वापस लौटने पर पुत्री के बताने पर पिता ने जैसे-तैसे दरवाजा खोला तो तनवीर फांसी के फंदे से लटका मिला। उसे फंदे से उतारकर कोटा के एमबीएस अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। छात्र के शव को पोस्टमार्टम के बाद उसके परिवारजनों को सौंप दिया।

भाजपा ने रमेश बिधूड़ी को राजस्थान के टोंक जिले में चुनाव ड्यूटी पर लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लोकसभा में बसपा सांसद दानिश अली के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां कर विवादों में घिरे अपने लोकसभा सदस्य रमेश बिधूड़ी को राजस्थान के टोंक जिले में चुनाव जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। जिले में बड़ी संख्या में गुर्जर समुदाय होने के कारण भाजपा मानती है कि बिधूड़ी गुर्जर वोट उसके पक्ष में ला सकती है क्योंकि बिधूड़ी भी गुर्जर समुदाय से आते हैं। इस जिले में विधानसभा की चार सीट है जिनमें एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता सचिन पायलट के पास है। पायलट भी गुर्जर हैं।

सूत्रों ने बताया कि बिधूड़ी की जिम्मेदारी जिले के पार्टी के चुनाव प्रभारी के रूप में होगी। पार्टी नेताओं का कहना है कि मीणा और मुसलमान इस जिले में दो अन्य बड़े समुदाय हैं। पायलट 2018 में टोंक विधानसभा सीट से निर्वाचित हुए थे। बिधूड़ी ने भी 'एक्स' पर पोस्ट किया कि जयपुर में टोंक जिले के लिए हुई समन्वय समिति की बैठक में वह शामिल हुए।

'गुलाबी सुंडी' के प्रकोप से प्रभावित किसानों को मिलेगी राहत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर।राजस्थान के हनुमानगढ़ और गंगानगर जिले में कपास की फसल में 'गुलाबी सुंडी' कीट के प्रकोप से प्रभावित किसानों को राहत मिलेगी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री निवास पर फसल नुकसान, फसल बीमा व गिरदावरी की समीक्षा बैठक में बुधवार को यह जानकारी दी गई। बैठक मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ली। आधिकारिक बयान के अनुसार, बैठक में बताया गया कि हनुमानगढ़, गंगानगर जिले में कपास की फसल में गुलाबी सुंडी के प्रकोप से दोनों जिलों में 2.56 लाख हेक्टेयर क्षेत्र प्रभावित हुआ है, जिससे 73 हजार कृषक प्रभावित हैं। इस प्रकोप के कारण पांच से 45 प्रतिशत तक नुकसान का अनुमान है।

इसके अनुसार फसल बीमा योजना के अन्तर्गत कीट रोग के प्रकोप के कारण कपास फसल का उत्पादन प्रभावित होने पर बीमित किसानों को नुकसान हेतु 'क्लेम' देय है। प्रभावित किसानों को औसत उपज आंकड़ों के आधार पर नियमानुसार 'क्लेम' दिया जाएगा। बैठक में गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार फसल खराब होने से प्रभावित किसानों के प्रति संवेदनशील है और उन्हें राहत देने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गए हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष कई जिलों में असामान्य वर्षा से फसलों को लगातार नुकसान हुआ है। इस स्थिति को देखते हुए गहलोत ने आगामी 10 दिवस के भीतर गिरदावरी करवाकर किसानों को राहत देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि फसल खराब होने का आकलन कर प्रभावित किसानों को नियमानुसार मुआवजा देने के लिए गिरदावरी का काम जल्द से जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में फसलों की गिरदावरी अविलंब करवाकर फसलों के नुकसान की रिपोर्ट भिजवाने के निर्देश दिए, ताकि प्रभावित किसानों को तत्काल सहायता उपलब्ध करवाई जा सके।

बैठक में बताया गया कि वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 में राज्य में घटित प्राकृतिक आपदाओं यथा बाढ़, सूखा, ओलावृष्टि, पाला एवं शीतलहर से प्रभावित 10.61 लाख पात्र काश्तकारों को राज्य आपदा मोचन निधि (एसडीआरएफ) के नियमों के अनुसार 968.48 करोड़ रुपये का कृषि अनुदान वितरित किया गया है। बैठक में यह भी बताया गया कि वर्ष 2022-23 में रबी के फसल से जुड़े बीमा संबंधी दावों को लेकर 1895 करोड़ रुपये किसानों में वितरित किये जा चुके हैं।

सरकार के फैसलों-योजनाओं से समाज के हर तबके को फायदा हुआ : गहलोत

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी सरकार द्वारा पांच साल में किए गए फैसलों और लागू की गई योजनाओं का फायदा समाज के हर वर्ग को मिला है। उन्होंने कहा कि राज्य ने सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की है। गहलोत कोटपूतली-बहरोड़ जिले के काठूवास गांव में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के चहुंमुखी विकास और प्रदेशवासियों के कल्याण के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। सरकार के नीतिगत फैसलों और जनकल्याणकारी योजनाओं से समाज का प्रत्येक वर्ग लाभान्वित हुआ है। पिछले पांच वर्ष में राज्य ने आर्थिक, सामाजिक, चिकित्सा, शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत ढांचे का विकास सहित सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान अपने कुशल वित्तीय प्रबंधन के कारण सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में उत्तर भारत में नंबर एक तथा देश में नंबर दो राज्य बन गया है। आईटी, दुग्ध उत्पादन और दलहन उत्पादन में भी राजस्थान देश का अव्वल राज्य है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ओडिशा में बस मालिकों के संगठन ने दस ऑक्टूबर को किया हड़ताल का आह्वान

भुवनेश्वर/भाषा। 'ऑल ओडिशा बस ओनर्स एसोसिएशन' ने सरकार की ओर से 'लोकेशन –एक्सेसिबल मल्टी मॉडल इनिशिएटिव (एलएसीसीएमआई) शुरु किए जाने के कदम के खिलाफ राज्य भर में दस अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल का आह्वान किया है। एलएसीसीएमआई योजना के अनुसार सभी ग्राम पंचायतों, ब्लॉक मुख्यालयों, जिला मुख्यालयों, मुख्य शहरों और आर्थिक केन्द्रों को जोड़ने के लिए कम से कम 1,000 बसें लाई जाएंगी। 'ऑल ओडिशा बस ओनर्स एसोसिएशन' ने मल्कानगिरि जिले में योजना के क्रियान्वयन के विरोध में अविभाजित कोरापुट जिले में दो अक्टूबर से 'चक्का जाम' का आह्वान किया है। अविभाजित कोरापुट में चार जिले हैं– कोरापुट, नबरंगपुर, रायगढ़ और मल्कानगिरि।

संगठन के महासचिव देवेन्द्र साहू ने कहा कि दो अक्टूबर को 24 घंटे के लिए अविभाजित कोरापुट में कोई बस नहीं चलेगी और बाद में इस आंदोलन को ओडिशा भर में चलाया जाएगा। उन्होंने कहा, '' अगर हमारी मांगें नहीं मानी गईं तो हम 10 अक्टूर से अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे।'' ओडिशा का सार्वजनिक परिवहन तंत्र ज्यादातर निजी बसों पर निर्भर है। बस एसोसिएशन ने आरोप लगाया कि एलएसीसीएमआई लागू होने से उनका व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित होगा क्योंकि योजना के तहत यात्री बसें और निजी बसें एक ही समय पर चलेंगी। इस बीच एसोसिएशन के महासचिव ने परिवहन आयुक्त एवं राज्य परिवहन प्राधिकरण के अध्यक्ष को पत्र लिखा है।

उप्र : जदयू उपाध्यक्ष और उनकी पत्नी समेत चार लोगों पर धोखाधड़ी का मुकदमा

बलिया (उप्र)/भाषा। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) की उत्तर प्रदेश इकाई के उपाध्यक्ष अवलेश सिंह, उनकी पत्नी और दो बेटियों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस सूत्रों ने बृहस्पतिवार को बताया कि शिवानंद सिंह की तहरीर पर फेफना थाने में जद(यू) की उत्तर प्रदेश इकाई के उपाध्यक्ष अवलेश सिंह, उनकी पत्नी नीलम सिंह और दो बेटों शशांक शेखर सिंह तथा अनुराग सिंह के विरुद्ध गत 26 सितम्बर को धोखाधड़ी के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। शिवानंद सिंह अवलेश सिंह के बड़े भाई हैं।

अपर पुलिस अधीक्षक दुर्गा प्रसाद तिवारी ने बताया कि यह मुकदमा मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत के आदेश पर दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

'भारत को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में स्वामीनाथन का योगदान हमेशा याद रखा जाएगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने बृहस्पतिवार को मशहूर कृषि वैज्ञानिक एम एस स्वामीनाथन के निधन पर शोक जताते हुए कहा कि भारत को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक और टिकाऊ खेती पर जोर देकर भुखमरी के खिलाफ जीवन भर योद्धा की भूमिका निभाने वाले स्वामीनाथन का बृहस्पतिवार को यहां निधन हो गया। वह 98 वर्ष के थे और उनकी तीन बेटियां हैं, जिनमें विश्व स्वास्थ्य संगठन की पूर्व मुख्य वैज्ञानिक डॉ. सौम्या स्वामीनाथन भी शामिल हैं।

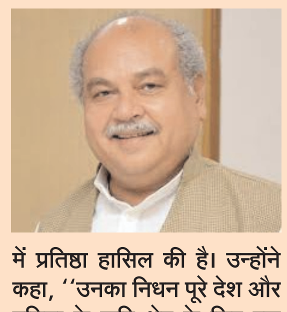

तोमर ने कहा कि कृषि क्षेत्र के विकास में स्वामीनाथन का असाधारण योगदान हमेशा याद किया जाएगा और लोगों को प्रेरित करता रहेगा। मंत्री ने कहा, स्वामीनाथन ने कृषि क्षेत्र की प्रगति में अपने योगदान के कारण न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में प्रतिष्ठा हासिल की है। उन्होंने कहा, ''उनका निधन पूरे देश और दुनिया के कृषि क्षेत्र के लिए एक अपूरणीय क्षति है।''

तोमर ने कहा कि स्वामीनाथन द्वारा कृषि के क्षेत्र में किये गये नवाचारों से किसानों को बहुत लाभ हुआ है। खाद्यान्न में आत्मनिर्भरता हासिल करने में स्वामीनाथन के योगदान को भारत कभी नहीं भूल सकता। मंत्री ने कहा कि सरकार स्वामीनाथन समिति की सिफारिशों के आधार पर किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा, स्वामीनाथन की निष्ठा और समर्पण से खेती को नया आयाम मिला है।

उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए बायोकॉन लिमिटेड की कार्यकारी चेयरपर्सन किरण मजूमदार-शॉ ने कहा, ''डॉ एम एस स्वामीनाथन एक किंवदंती थे जिनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों तक बनी रहेगी। उन्हें भारत की हरित क्रांति के महानतम वास्तुकारों में से एक के रूप में हमेशा याद किया जाएगा।'' एग्रीमंडी डॉट लाइव रिसर्च के सह-संस्थापक और सीईओ उप्पल शाह ने कहा, यह भारत के लिए एक दुखद दिन है। वह व्यक्ति जिसे हमारे भोजन, पोषण और भरण-पोषण का श्रेय जाता है, अब हमारे बीच नहीं है। भारत के नागरिक उनके आभारी हैं। हम उन्हें सलाम करते हैं।''

इंफाल में उग्रवादियों को खुलेआम घूमते, भीड़ को भड़काते देखना सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय

नई दिल्ली/इंफाल/भाषा। सुरक्षा एजेंसियों के लिए सबसे बुरी आशंका सच साबित होती दिख रही है, क्योंकि इंफाल घाटी में उग्रवादियों को खुलेआम घूमते और भीड़ को उकसाते हुए देखा गया है। दो लापता किशोरों की तस्वीरें सामने आने के बाद से इंफाल घाटी में भीड़ उग्र हो गई है।

अधिकारियों के मुताबिक बुधवार शाम पुलिस टीम पर किए गए हमलों के दौरान काली वर्दी पहने हथियारबंद लोगों को उग्र युवाओं को पुलिस पर हमला करने का निर्देश देते देखा गया। इसके बाद कई वाहनों को आग लगा दी गई। सुरक्षा एजेंसियां चेतावनी देती रही हैं कि यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ), पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) और अन्य प्रतिबंधित समूहों के उग्रवादी भीड़ का हिस्सा बन गए हैं और सुरक्षा बलों पर छिपकर हमला करने के साथ-साथ प्रदर्शनकारियों को भी निर्देश दे रहे हैं। हाल में, भीड़ के भीतर उग्रवादियों की मौजूदगी पाई गई थी, जिसने टेंग्नौपाल में पलेल के पास सुरक्षा बलों पर हमला किया था, जिसमें सेना के एक लेफ्टिनेंट कर्नल घायल हो गए थे। केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने हिंसा प्रभावित मणिपुर में तनाव फैलाने के लिए किसी भी विरोध प्रदर्शन के दौरान उग्रवादियों के भीड़ में शामिल होने की आशंका के बारे में चेतावनी दी थी। इस संबंध में 'पीटीआई-भाषा' ने 11 सितंबर को खबर दी थी। एक पुलिस वाहन में आगजनी की घटना में भीड़ को निर्देशित करने वाले सशस्त्र उग्रवादियों की उपस्थिति देखी गई। इसके अलावा, भीड़ में उपद्रवियों ने लोहे के टुकड़ों का इस्तेमाल किया, जो स्वचालित हथियार की मदद से सुरक्षाकर्मियों की ओर दागे गए। लापता किशोरों की तस्वीरें सामने आने के बाद इंफाल घाटी में हुई इन झड़पों में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के एक अधिकारी सहित एक दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी घायल हो गए। इन किशोरों के जातीय संघर्ष के दौरान मारे जाने की आशंका है।

अफस्पा मणिपुर संकट का हल नहीं है: इरोम शर्मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। मणिपुर के अधिकतर हिस्सों में सशस्त्र बल (विशेषाधिकार) अधिनियम (अफस्पा) लागू किए जाने के एक दिन बाद अधिकार कार्यकर्ता इरोम शर्मिला ने कहा कि राज्य में जारी संघर्ष का हल ''दमनकारी कानून'' से नहीं निकलेगा।

शर्मिला को मणिपुर की 'आयरन लेडी' के तौर पर जाना जाता है। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को टेलीफोन पर दिए एक साक्षात्कार में बृहस्पतिवार को कहा कि केन्द्र की भारतीय जनता पार्टी नीत सरकार को विविधता का सम्मान करना चाहिए न कि समान नागरिक संहिता जैसे प्रस्तावों के जरिए एकरूपता लाने की दिशा में काम करना चाहिए। मणिपुर में अफस्पा को अगले छह महीने के लिए बढ़ा दिया गया है। इंफाल घाटी के 19 थानों तथा पड़ोसी राज्य असम से सीमा साझा करने वाले एक इलाके को इस कानून के दायरे से बाहर रखा गया है। शर्मिला ने कहा, '' अफस्पा के दायरे में विस्तार राज्य में जातीय हिंसा अथवा अन्य समस्याओं का हल नहीं है। केन्द्र और मणिपुर सरकार को क्षेत्र की विविधता का सम्मान करना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''विभिन्न जातीय समूहों के मूल्यों, सिद्धांतों और प्रथाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। भारत अपनी विविधता के लिए जाना जाता है, लेकिन केंद्र सरकार और भाजपा की दिलचस्पी समान नागरिक संहिता जैसे प्रस्तावों के जरिए एकरूपता बनाने में अधिक है।'' शर्मिला ने प्रश्न किया कि मई में राज्य में हिंसा भड़कने के बाद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य का दौरा क्यों नहीं किया।

अधिकार कार्यकर्ता ने कहा, '' प्रधानमंत्री मोदी देश के नेता हैं। अगर उन्होंने राज्य का दौरा किया होता और लोगों से बात की होती तो अब तक समस्या का हल हो गया होता। इस हिंसा का हल करुणा, प्रेम और मानवीय संवेदनाओं में निहित है। लेकिन ऐसा लगता है कि भाजपा मुद्दों को हल करने की इच्छुक नहीं है और चाहती है कि समस्या बनी रहे।''

मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह की आलोचना करते हुए शर्मिला ने कहा,'' राज्य सरकार की गलत नीतियों ने मणिपुर को अभूतपूर्व संकट की ओर धकेल दिया है।''

बंगाल के राज्यपाल को 'टैपिंग और ट्रैकिग' का डर, राजभवन के लिये चाहते हैं जैमर एवं कड़ी सुरक्षा

सुदीप्तो चौधरी
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने राज्य सरकार और केंद्रीय गृह मंत्रालय को पत्र लिखकर कहा है कि उन्हें डर है कि उन्हें टैप और ट्रैक किया जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने राजभवन में जैमर लगाने सहित अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणाली के लिए अनुरोध किया है। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि उन्होंने राजभवन की पहली मंजिल से कोलकाता पुलिस कर्मियों को हटाने और उनकी जगह सीआरपीएफ से लिए गए अपने निजी सुरक्षा गार्डों को तैनात करने का अनुरोध किया है । राजभवन की पहली मंजिल पर आवासीय क्वार्टर और विभिन्न कार्यालय हैं। सूत्रों ने बताया कि राज्यपाल चाहते हैं कि कोलकाता पुलिस के जवान केवल राजभवन के भूतल, उसके प्रवेश और निकास बिंदुओं, उद्यानों और आसपास के क्षेत्रों की निगरानी करें। उन्होंने कहा, पिछले राज्यपाल के कार्यकाल के दौरान कोलकाता पुलिस के जवान केवल राजभवन के भूतल तक ही सीमित थे। उन्होंने कहा, बोस ने यह भी निर्देश दिया है कि राजभवन में तैनात पुलिसकर्मियों को बदलते रहना चाहिए। जनवरी में, बोस को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जेड-प्लस सुरक्षा प्रदान की थी, जो उन्हें केंद्रीय बलों से ली गई व्यक्तिगत सुरक्षा प्रदान करती है। अर्द्धसैनिक बल के एक अधिकारी ने बताया कि राज्यपाल की सिफारिश के मद्देनजर, कोलकाता पुलिस ने सीआरपीएफ के साथ एक संयुक्त सुरक्षा बैठक की और भवन की पहली मंजिल पर राज्यपाल के कार्यालय और पुस्तकालय के बाहर अर्धसैनिक बल के एक वरिष्ठ अधिकारी को तैनात करने का निर्णय लिया गया।

सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा युवा मामले एवं खेल मंत्री अनुराग ठाकुर गुरुवार को नई दिल्ली में एशियाई खेलों में निशानेबाजी, रोइंग और महिला क्रिकेट में पदक जीतकर लौटने पर खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए।

छात्र को उसके अल्पसंख्यक समुदाय के सहपाठी से थप्पड़ लगवाने वाली शिक्षिका गिरफ्तार

संभल (उप्र)/भाषा। संभल जिले में असमोली क्षेत्र के एक स्कूल में पूछे गये सवाल का जवाब नहीं देने पर बहुसंख्यक वर्ग के एक छात्र को अल्पसंख्यक समुदाय के उसके सहपाठी से कक्षा में थप्पड़ लगवाने के आरोप में बृहस्पतिवार को एक शिक्षिका के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अपर पुलिस अधीक्षक श्रीश चंद्र ने दर्ज रिपोर्ट के हवाले से बताया कि जिले के सिरौली निवासी नितिन कुमार त्यागी नामक व्यक्ति ने असमोली थाने में मामला दर्ज कराया है।

चंद्र ने कहा कि त्यागी ने आरोप लगाया है कि दुगावर गांव स्थित एक अंग्रेजी माध्यम के स्कूल में पढ़ने वाले उनके बेटे मानव त्यागी को गत 26 सितंबर को शिक्षिका शाइस्ता ने कुछ सवालों का जवाब नहीं देने पर उसी कक्षा में पढ़ने वाले अल्पसंख्यक समुदाय के एक छात्र से थप्पड़ लगवाये थे। चंद्र ने बताया कि शिकायतकर्ता का कहना है कि इस घटना से उसकी भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने बताया कि इस मामले में आरोपी शिक्षिका के खिलाफ भारतीय दंड विधान की धारा 153ए (विभिन्न समूहों के बीच वैमनस्य फैलाना) और 323 (शारीरिक चोट पहुंचाना) के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

बंगले की मरम्मत मामले की सीबीआई जांच का 'स्वागत' : केजरीवाल

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उनके बंगले की मरम्मत में कथित अनियमितता मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज पीई (प्रारंभिक जांच) का बृहस्पतिवार को 'स्वागत' किया। उन्होंने साथ ही जोर देकर कहा कि इस जांच में कुछ भी नहीं निकलेगा, क्योंकि ''कुछ भी गलत नहीं हुआ है।''

केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए दावा किया कि यह कदम उनकी 'घबराहट' को दिखाता है। उन्होंने सवाल किया कि क्या जांच में कुछ भी सामने नहीं आने पर प्रधानमंत्री अपने पद से इस्तीफा देंगे।

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री के तौर पर बतौर आठ साल के अपने कार्यकाल में संभवत: वह सबसे अधिक संख्या में जांच का सामना करने वाले व्यक्ति हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि वह नहीं झुकेंगे।

अधिकारियों ने बुधवार को बताया था कि सीबीआई ने मुख्यमंत्री केजरीवाल के नए सरकारी आवास के निर्माण के संबंध में दिल्ली सरकार के अज्ञात लोक सेवकों द्वारा कथित रूप से की गई ' अनियमितता और कदाचार' पर गौर करने के लिए पीई दर्ज की है। सीबीआई की कार्रवाई पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अरविंद केजरीवाल ने संवाददाताओं से कहा, ''प्रधानमंत्री घबराए हुए हैं। यह उनकी घबराहट को प्रदर्शित करती है। मेरे खिलाफ जांच में कुछ भी नया नहीं है। अबतक पिछले आठ साल में मेरे खिलाफ 50 से अधिक जांच की गई है।''

'सरकार ने युवाओं के सपने कुचले, बढ़ रहे आत्महत्या के मामले'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने देश में बेरोजगारी की 'गंभीर समस्या' को लेकर बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने युवाओं के सपनों को कुचल दिया है जिसके कारण युवाओं में आत्महत्या के मामले बढ़ रहे हैं।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि सरकार की विनाशकारी आर्थिक नीतियों और बिना किसी योजना के लगाए गए लॉकडाउन ने वास्तव में शिक्षित युवाओं के लिए औपचारिक रोज़गार के अवसरों को कम कर दिया है। उन्होंने एक बयान में कहा, ''भारत में बेरोज़गारी एक गंभीर समस्या बनी हुई है। छिपी बेरोज़गारी की स्थिति भी चिंताजनक है। आनंद विहार टर्मिनल पर बातचीत के दौरान राहुल गांधी ने देखा कि बड़ी संख्या में शिक्षित युवा, जिनमें इंजीनियरिंग की डिग्री वाले भी शामिल हैं, संगठित क्षेत्र में रोज़गार पाने में असमर्थ हैं। वे मजबूरी में कुली जैसा अनिश्चित व अनौपचारिक रोज़गार कर रहे हैं।''

रमेश ने आरोप लगाया कि संगठित क्षेत्र में पर्याप्त रोज़गार उपलब्ध कराने में मोदी सरकार की घोर विफलता के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। उनके मुताबिक, ईपीएफओ के 2021-22 के आंकड़ों से पता चलता है कि औपचारिक क्षेत्र में रोज़गार 2019-20 की तुलना में 5.3% कम हुए हैं। इसके अलावा 2019-20 से 2021-22 तक औपचारिक क्षेत्र में रोज़गार देने वालों की संख्या में भी 10.5% की भारी गिरावट आई है। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार रोज़गार संकट से निपटने के बजाय आंकड़ों को छिपाने, तोड़-मरोड़ कर पेश करने और तरह-तरह की 'नौटंकी' करने में व्यस्त है।

लोकसभा चुनाव से पहले ही बिखर जाएगा विपक्षी गठबंधन 'इंडिया': चिराग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बलिया (उप्र)/भाषा। लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के अध्यक्ष और सांसद चिराग पासवान ने दावा किया है कि विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले ही बिखर जाएगा।

पासवान ने बलिया में अपनी पार्टी द्वारा आयोजित अतिदलित सम्मेलन से इतर संवाददाताओं से बातचीत में विपक्षी गठबंधन के जिक्र पर दावा किया कि 'इंडिया गठबंधन' आगामी लोकसभा चुनाव से पहले ही बिखर जाएगा। उन्होंने कहा, 'इंडिया गठबंधन ऐसा भानुमती का कुनबा है, जो बनने से पहले ही धराशायी हो जाता है। आपने 2014 से पहले भी विपक्षी की ऐसी तस्वीर देखी होगी। वर्ष 2019 से पहले भी ऐसे ही प्रयासों को देखा होगा। जब एक मंच पर प्रधानमंत्री पद के एक दर्जन से ज्यादा दावेदार दिखाई दें तो वह गठबंधन कैसे बना रह सकता है। इस गठबंधन में व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा हावी है।' पासवान ने दावा किया कि 'इंडिया' के घटक दल एक दूसरे के 'खून के प्यासे' हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 2024 के आम चुनाव की अधिसूचना जारी होने तक विपक्षी गठबंधन में शामिल राजनीतिक दल अपनी अलग-अलग राह पकड़ लेंगे। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल के राज्यसभा सदस्य मनोज कुमार झा के हाल ही में सदन में 'राजपूत के कुएं' को लेकर दिए गए बयान के बाद उठे विवाद पर कहा कि झा 'फूट डालो और राज करो' की नीति अपनाते हैं।

पासवान ने कहा, 'राष्ट्रीय जनता दल के नेता मनोज कुमार झा समाज में बंटवारा करके ही अपने राजनीतिक हितों को साधते हैं। उन्होंने एक जाति विशेष और एक संप्रदाय में आने वाले लोगों पर अशोभनीय टिप्पणी की है। यह पहली बार नहीं है। वह जिस दल से आते हैं, उसकी सोच ही यही है।'' उन्होंने विश्वास व्यक्त किया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आने वाले समय में नारी शक्ति वंदन विधेयक में अन्य पिछड़े वर्गों को शामिल करने समेत विभिन्न मांगों को पूरा करेंगे।

चोटिल अक्षर की जगह अश्विन भारत की विश्व कप टीम में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने अपेक्षानुरूप चोटिल ऑलराउंडर अक्षर पटेल की जगह ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को आगामी वनडे विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने गुरुवार को इसकी घोषणा की।

अक्षर के 'क्वाड्रिसेप्स' में चोट लग गई थी और उनके जल्द ठीक होने की उम्मीद नहीं है। इस कारण अजित अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति को 37 वर्षीय अश्विन को टीम में शामिल करना पड़ा। अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल में समाप्त हुई श्रृंखला के दो मैचों में चार विकेट लिए थे। आईसीसी ने यहां जारी बयान में कहा,''अक्षर पटेल एशिया कप के सुपर चार में बांग्लादेश के खिलाफ मैच के दौरान चोटिल हो गए थे और वह बाएं क्वाड्रिसेप्स में लगी चोट से विश्व कप के लिए सही समय पर उबरने में नाकाम रहे। इस कारण यह स्पिनर एशिया कप के फाइनल में भी नहीं खेल पाया था।'' विज्ञप्ति में कहा गया है,''उनकी जगह अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को टीम में लिया गया है जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल में समाप्त हुई श्रृंखला में वनडे क्रिकेट में प्रभावशाली से वापसी की थी तथा दो मैचों में चार विकेट लिए थे।''

अक्षर पटेल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ राजकोट में खेले गए तीसरे वनडे के लिए फिट नहीं हो पाए थे जिसके कारण उनका विश्व कप की टीम से बाहर होना तय हो गया था। अश्विन भारतीय टीम के साथ गुवाहाटी गए हैं जहां वह 30 सितंबर को इंग्लैंड के खिलाफ अपना पहला अभ्यास मैच खेलेगी।

भारत की विश्व कप टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या (उप-कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, रविचंद्रन अश्विन इशान किशन, सूर्यकुमार यादव।

चोट के बाद वापसी कर रहे खिलाड़ियों को मैच अभ्यास मिलने से खुश हैं द्रविड़

राजकोट/भाषा। भारतीय कोच राहुल द्रविड़ को संतोष है कि चोट के बाद वापसी करने वाले जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल और श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ियों को अगले सप्ताह शुरू हो रहे वनडे विश्व कप से पहले मैच अभ्यास मिल गया । कमर की तकलीफ के कारण लंबे समय तक बाहर रहे बुमराह ने मोहाली और राजकोट में दस दस ओवर गेंदबाजी की । तीसरे वनडे में वह हालांकि महंगे साबित हुए । पिछले महीने आयरलैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला में वापसी करने वाले बुमराह ने श्रीलंका में एशिया कप भी खेला था । वहीं अय्यर ने इंदौर में शतक जमाया और राजकोट में 48 रन बनाये । राहुल ने दो अर्धशतक लगाने के साथ उम्दा विकेटकीपिंग भी की। द्रविड़ ने तीसरे मैच के बाद कहा ,''इन सभी के लिये मैच टाइम बहुत महत्वपूर्ण था और यह अच्छी बात है कि उन्हें यह मिला । जस्सी ने दो मैचों में पूरे दस ओवर डाले । सिराज ने भी वापसी करके गेंदबाजी की । अश्विन को इस तरह गेंदबाजी करते देखना अच्छा लगा ।

भारतीय पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल टीम को स्वर्ण, व्यक्तिगत फाइनल में चूके सरबजोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हांगझोउ/भाषा। भारत की पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल टीम ने गुरुवार को यहां एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता लेकिन व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाने वाले सरबजोत सिंह और अर्जुन सिंह चीमा पदक जीतने में नाकाम रहे। सरबजोत, चीमा और शिव नरवाल ने बेहद करीबी मुकाबले में चीन की टीम को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया और भारत को निशानेबाजी में चौथा स्वर्ण पदक दिलाया। भारतीय निशानेबाज मौजूदा खेलों में अब तक चार स्वर्ण, चार रजत और पांच कांस्य पदक जीत चुके हैं।

भारतीय तिकड़ी ने क्वालीफिकेशन में कुल 1734 अंक जुटाए जो चीन की टीम से एक अधिक है। चीन को रजत जबकि वियतनाम (1730) को कांस्य पदक मिला। सरबजोत ने क्वालीफिकेशन में 580, चीमा ने 578 और नरवाल ने 576 अंक बनाए। सरबजोत और चीमा ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में भी जगह बनाई लेकिन क्रमश: चौथे और आठवें स्थान पर रहे। वियतनाम के फेम कुआंग हुई ने 240.5 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि दक्षिण कोरिया के ली वोनहो (239.4) ने रजत पदक हासिल किया। उज्बेकिस्तान के व्लादिमिर स्वेचनिकोव (219.9) को कांस्य पदक मिला। सरबजोत 199 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहे। चीमा आठवें और अंतिम स्थान पर रहे। वह फाइनल में सबसे पहले बाहर होने वाले निशानेबाज रहे।

सुविचार

आदमी बड़ा हो या छोटा कोई फर्क नहीं पड़ता, उसकी कहानी बड़ी होनी चाहिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ग्रामीण भारत : कैसे बदलेगी तस्वीर?

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इंदौर में 'इंडिया स्मार्ट सिटीज कॉन्क्लेव 2023' को संबोधित करते हुए देश के विकास से संबंधित महत्त्वपूर्ण बिंदुओं का उल्लेख किया है, जिन पर काम करने की जरूरत है। खासतौर से शहरों पर दबाव घटाने के लिए गांवों तक उत्कृष्ट बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने का उल्लेख किया जाना अत्यंत प्रासंगिक है। आज जरूरत इस बात की है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, ऊर्जा, ईंधन समेत समस्त सुविधाएं ग्रामीण क्षेत्रों में सुलभ हों। साथ ही वहां रोजगार के अधिकाधिक अवसरों का सृजन किया जाए। गांवों से शहरों की ओर पलायन के मुख्यत: दो कारण होते हैं- शिक्षा और रोजगार। यदि प्रारंभिक शिक्षा गांवों में और उच्च शिक्षा निकटवर्ती क्षेत्रों में ही उपलब्ध करा दी जाए तो निश्चित रूप से बड़े शहरों से आबादी का दबाव कम हो सकता है। कई शहर तो ऐसे हैं, जहां छोटे-से कमरे में छह से ज्यादा विद्यार्थियों को रहना पड़ता है। वे बड़े सख्त हालात में गुजारा करते हुए सुनहरे भविष्य के सपने संजोते रहते हैं। कई कोचिंग संस्थानों के पास पर्याप्त स्थान नहीं होता। ऐसे में एक ही कक्ष में क्षमता से ज्यादा विद्यार्थी बैठाए जाते हैं। नौकरियों के मामले में भी कुछ ये ही हालात हैं। शहरों में निजी क्षेत्र में कार्यरत एक औसत कर्मचारी को अपने वेतन का बड़ा हिस्सा मकान किराए और दफ्तर आने-जाने पर खर्च करना पड़ता है। उसके बाद परिवार की जरूरतें मुश्किल से पूरी होती हैं। अगर कोई बीमार हो जाए और अस्पताल में डॉक्टर की फीस, जांच और दवाइयों पर मोटा खर्चा हो जाए तो घर का बजट बिगड़ जाता है। अगर सरकारों ने गंभीरता दिखाते हुए कुछ ऐसे इंतजाम किए होते, जिससे शिक्षा, रोजगार और चिकित्सा समेत जरूरी सुविधाएं बेहतर ढंग से गांवों में उपलब्ध करा दी जातीं तो आज शहरों पर इतना दबाव नहीं होता। महानगरों में तो हालत यह है कि सामान्य आर्थिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति के लिए किराए पर मकान लेना बहुत बड़ी चुनौती है।

महात्मा गांधी कहते थे कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व करते हुए जो दर्शन दिया, उससे ग्रामीण स्वावलंबन को अलग नहीं किया जा सकता। विडंबना है कि गांधी के देश में गांवों की ओर उतना ध्यान नहीं दिया गया, जितना कि देना चाहिए था। कई गांव तो ऐसे हैं, जिनमें दशकों तक बिजली नहीं पहुंची। लोग केरोसीन की चिमनी जलाकर उसे ही अपना भाग्य स्वीकार कर चुके थे। सरकारी स्कूल, अस्पताल और आम लोगों के काम से जुड़े दफ्तरों में पर्याप्त सुविधाएं नहीं पहुंचीं और न ही इनके प्रबंधन में कोई खास सुधार किए गए। लोगों को छोटे से छोटे काम के लिए शहर जाना पड़ता, जिसमें कई बार एक दिन से ज्यादा समय लग जाता था। आज इंटरनेट से कई काम काफी आसान हो गए हैं, लेकिन सुधारों की गुंजाइश है। इस धारणा को बदलना होगा कि रोजगार का अर्थ सिर्फ 'सरकारी नौकरी' है। हमें खेती-किसानी को मुनाफे का धंधा बनाना होगा। इसके लिए इजराइल के अनुभवों से बहुत कुछ सीखा जा सकता है, जिसने बंजर व सूखी धरती को उपजाऊ बनाकर विश्व को चकित कर दिया। खाद्यान्न व दलहन के अलावा औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा दिया जा सकता है। इससे आयुर्वेद व प्राकृतिक चिकित्सा का विस्तार होगा। जब कोरोना काल में लॉकडाउन लगाया गया, बड़े उद्योग, कारखाने, शॉपिंग मॉल का संचालन अवरुद्ध हो गया, तब खेती ने करोड़ों लोगों को आजीविका दी और अर्थव्यवस्था को संभाला था। निस्संदेह देश के विकास के लिए बड़े उद्योगों और कारखानों की जरूरत होती है, लेकिन गांव व खेती के महत्त्व को कम नहीं आंकना चाहिए। राष्ट्रपति के भाषण के इन शब्दों की ओर नीति निर्माताओं को ध्यान देना चाहिए, जिनके अनुसार, वर्ष 2047 तक भारत की शहरी आबादी 40 करोड़ के मौजूदा स्तर से बढ़कर 87 करोड़ से अधिक होने का अनुमान जताया गया है। इसका यह अर्थ है कि करीब ढाई दशक बाद 50 प्रतिशत से ज्यादा देशवासी शहरी क्षेत्रों में रहेंगे। क्या हमारे शहर इसके लिए तैयार हैं? इसको ध्यान में रखते हुए अभी से धरातल पर ठोस काम करने होंगे। गांवों में बुनियादी ढांचे और सुविधाओं का विस्तार करना होगा। शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं, रोजगार की उपलब्धता को सुनिश्चित करना होगा। जिस दिन ग्रामीण भारत आत्मनिर्भर होगा, बापू का एक सपना पूरा हो जाएगा।

ट्वीटर टॉक

अनंत चतुर्दशी एवं गणेश विसर्जन की समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश जी एवं सृष्टि के पालनहार भगवान श्री विष्णु जी से सभी नागरिकों की सुख- समृद्धि और खुशहाली की कामना करता हूं।

-राजेन्द्र राठौड़

दिल्ली के कीर्तिनगर स्थित फर्नीचर मार्केट जाकर आज बढ़ई भाइयों से मुलाकात की। ये मेहनती होने के साथ ही कमाल के कलाकार भी हैं - मज़बूती और खुबसूरती तराशने में माहिर! काफ़ी बातें हुई, थोड़ा उनके हुनर को जाना और थोड़ा सीखने की कोशिश की।

-राहुल गांधी

राजपुरोहित समाज के आराध्य धर्मगुरु अनंत श्री विभूषित ब्रह्मऋषि, ब्रह्मचार्य श्री ब्रह्मसावित्री सिद्ध पीठाधीश्वर श्री खेतेश्वर ब्रह्मधाम तीर्थ आसोतरा गादीपति श्री तुलसाराम जी महाराज को जन्मदिवस पर सादर प्रणाम एवं शुभकामनाएं।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

श्राद्ध की सार्थकता

काशी में परम धर्मात्मा और परोपकारी कृकल नामक वैश्य अपनी पत्नी के साथ रहता था। एक बार कृकल की इच्छा हुई कि तीर्थस्थलों पर जाकर धार्मिक अनुष्ठान, जप-दान आदि किए जाएं। उसकी पत्नी भी तीर्थयात्रा पर जाना चाहती थी, किंतु इस आशंका से कि कहीं वह बीमार न पड़ जाए, कृकल उसे अपने साथ नहीं ले गए। पितृपक्ष के दौरान उन्होंने एक नदी के पावन तट पर विधि-विधान से अपने माता-पिता और अन्य पूर्वजों का श्राद्ध किया। उन्हें यह विश्वास था कि श्राद्ध से उनके पितर संतुष्ट हुए होंगे। अचानक उन्हें लगा कि कोई दिव्य पुरुष उनके पितरों को बंधन में बांधे खड़ा है। कृकल ने यह देखा, तो दुखी होकर पूछा कि जब उन्होंने विधिवत इनका श्राद्ध कर दिया है, तो इन्हें बंधन में क्यों बांधा गया है? दिव्य पुरुष ने कहा, 'तुमने पत्नी के बगैर तीर्थयात्रा पर आकर धर्म विरुद्ध कार्य किया है। प्रत्येक शुभ कार्य में पत्नी को साथ रखना चाहिए। बिना पत्नी को बगल में बिठाए पितरों का श्राद्ध करने से तुम्हारे पितर भी संतुष्ट नहीं हुए और बंधन में जकड़े रहे। अब तुम घर लौटकर पत्नी के साथ मिलकर दोबारा श्राद्ध करो, तभी इनकी मुक्ति होगी।'

सामयिक

खाद्य बर्बादी पर जल्द नियंत्रण बेहद आवश्यक

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

मोबाइल : 82374 17041

पृथ्वी पर प्रत्येक सजीव को जीवित रहने के लिए आवश्यक ऊर्जा भोजन द्वारा प्राप्त होती है, बिना भोजन के ज्यादा समय तक जीवित नहीं रह सकते, परन्तु सभी जीवो में केवल मनुष्य ही ऐसा प्राणी है जो अपनी जरूरत पूरी होते ही भोजन को महत्वहीन समझकर व्यर्थ कर देता है। मनुष्य के पास खाद्य सामग्री के रूप में स्वाद अनुसार चयन के लिए विविध व्यंजन का विकल्प है, जिसका वह अपने हिसाब से उपभोग करता है। दुनिया में भारत ऐसा देश है, जहां खाद्य बर्बादी और भूख दोनों बड़ी मात्रा में मौजूद है। हमारे यहां सबसे बड़ी समस्या यह है कि हम अनाज का मोल केवल पैसे से लगाते हैं, जो संपन्न लोग है, वे अपने पसंद अनुरूप भोजन पर ज्यादा खर्च करते हैं, तो दूसरी तरफ कुपोषितों को पौष्टिक खाना तो दूर, भर पेट अन्न तक नहीं मिलता। भूख सबकी साधारण एक जैसी होती है, फिर भी अनाज का इतना ज्यादा अपव्यय बेहद दुखद है।

धरती पर भोजन का दर्जा भगवान के समतुल्य मानकर दुनिया के हर धर्म में विशेष सन्मान दिया है। भोजन का पहला भोग ईश्वर को लगाते हैं, फिर हम भोजन ग्रहण करते है। किसान फसल बुआई से पहले और फसल कटाई पर ईश्वर और प्रकृति को धन्यवाद स्वरूप त्यौहार मनाते है। हमारे समाज में अन्नदान को सर्वोपरि माना गया है। जीवन देनेवाले भोजन को हम जरूरत के बाद अगर कचरे में फेंक देते हैं तो हमारे लिए यह बहुत ही शर्मनाक बात हैं, भोजन प्रकृति द्वारा मनुष्य की कड़ी मेहनत से प्राप्त होता है, इसका मोल उसकी कीमत से परे समझना बहुत जरूरी है। पहले अभिभावक अनाज के हर एक दाने का मोल समझें, फिर अपने बच्चों को भी इसकी अहमियत समझाएं।

अनाज को उगाने से लेकर हमारी थाली तक पहुंचाने में अनेक लोगों का संघर्ष जुड़ा होता है, किसान अनाज को उगाने के लिए दिन-रात खेत में मेहनत करता है, अनेक बार प्राकृतिक आपदा और आर्थिक संकट से किसान जूझता है, इतनी मेहनत के बावजूद भी बहुत बार उनके अनाज को मंडी में योग्य दाम नहीं मिलता। मंडियों में संग्रहण हेतु गोदामों के कमी के चलते अनाज खुले में रखने को मजबूर होते है, बारिश और खराब मौसम से ऐसा अनाज भीगकर सड़ता है। गोदाम के उचित रखरखाव की कमी के कारण हर साल सैकड़ों टन अनाज चूहे खा जाते है, संघर्ष करते हुए अनेक किसान हताश होकर आत्महत्या करते हैं, महाराष्ट्र के मराठवाड़ा और विदर्भ क्षेत्र में किसानों की आत्महत्याएं ज्यादा दर्ज होती है। हाल ही में संभागीय आयुक्त विभाग की जारी रिपोर्ट अनुसार, मराठवाड़ा क्षेत्र में 1 जनवरी 2023 से 31 अगस्त 2023 के बीच 685 किसानों ने आत्महत्या की है, जो हमारे आधुनिक एवं उन्नत कहलाने वाले समाज के लिए बेहद शर्मनाक और चिंताजनक बात है।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण अनुसार, भारत देश में खाने से पहले ही एक-तिहाई अनाज बर्बाद हो जाता है। यूएनईपी खाद्य अपशिष्ट सूचकांक रिपोर्ट 2021 बताती है कि, भारत में घरेलू भोजन की बर्बादी हर दिन 137 ग्राम खाना, सालाना प्रति व्यक्ति लगभग 50 किलोग्राम है। खाद्य और कृषि संगठन के अनुमानित आंकड़े अनुसार, भारत में 407 खाना बर्बाद हो जाता है जो एक साल में 92,000 करोड़ रुपये के बराबर होता है, 30 प्रतिशत सब्जियां और फल कोल्ड स्टोरेज की कमी के कारण समाप्त हो जाते है। जब हम भोजन बर्बाद करते हैं, तो हम उसे उगाने, फसल काटने, परिवहन करने और पैकेज करने में लगने वाली सारी ऊर्जा, पानी, श्रम, प्रयास, निवेश और बहुमूल्य संसाधनों को भी बर्बाद कर देते हैं। सीमित संसाधनों का अनावश्यक विनाश होता है, जिससे ग्रीनहाउस गैस का उत्सर्जन बढ़ता है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की खाद्य अपशिष्ट सूचकांक रिपोर्ट 2021, दर्शाती हैं कि, 617 खाद्य अपशिष्ट घरों से, 267 खाद्य सेवा से और 137 खुदरा से आता है। दुनिया भर में किसी भी अन्य देश की तुलना में चीन और भारत हर साल अनुमानित 92 मिलियन और 69 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक घरेलू खाद्य अपशिष्ट पैदा करते हैं। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने खुलासा किया था कि पांच वर्षों के दौरान (2016-2020) केंद्रीय अन्न भंडार में 25,000 मीट्रिक टन से अधिक खाद्यान्न बर्बाद हो गया। लोकसभा में अपने लिखित जवाब में यह भी बताया था कि मार्च 2020 से दिसंबर 2021 के बीच लगभग 3,500 मीट्रिक टन अनाज बर्बाद हो गया। ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2022 में भारत 121 देशों में से 107वें स्थान पर है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति, 2022 रिपोर्ट के अनुसार, 224.3 मिलियन लोग या भारत की 16 प्रतिशत आबादी अल्पपोषित है, जिनमें से 53 प्रतिशत कुपोषित हैं। सभी के लिए पर्याप्त भोजन होने के बावजूद दुनिया में, 690 मिलियन लोग भूखे सोते हैं, जिनमें भारत के 189.2 मिलियन लोग शामिल हैं। वर्ष 2019-20 में भारत में 69 प्रतिशत बच्चों की मौत का कारण कुपोषण है।

कुछ दिन पहले मैंने देश के एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के भोजनगृह में भोजन करने के लिए भेट दी, वहां विद्यार्थियों के साथ मैं भोजन कर रहा था, भोजन होने के बाद मैं अपनी थाली उठाकर जब आगे बढ़ा तो मैं सामने का नजारा देखकर स्तब्ध रह गया, अनेक विद्यार्थियों ने थाली भरकर भोजन तो लिया लेकिन स्वाद पसंद ना आने के कारण या किसी अन्य कारण से उन्होंने अपनी थालिया वैसी ही अन्न से भरी हुई छोड़ दी थी, जब मैंने वहां के कर्मचारियों से बात की तो पता चला कि ऐसा नजारा रोज देखने को मिलता है, जो बहुत ही दुखद है। देश के कोने-कोने से विद्यार्थी पढ़ते आते हैं, सबकी अपनी पसंद और अलग-अलग व्यंजन, स्वाद होता है, परंतु थाली में भोजन लेकर रोज-रोज उसे ऐसा बर्बाद करना कौन-सी शिक्षा हमें सिखाती है? अनाज की असली कीमत केवल एक मेहनतकश इंसान ही समझ सकता है, जिसने भूख की तकलीफ को समझा है, जिया है, वर्ना आज तो कहने को बड़ी-बड़ी बातें सभी करते हैं लेकिन दूसरे तरफ वही लोग घर, समारोह में खाद्य बर्बादी करते नजर आते हैं। भारतीय समारोह में तो खाद्य बर्बादी जगजाहिर है, आखिर कब सुधरेंगे हम? खाना मुफ्त का हो या खरीदा हुआ, हमें अपनी भूख के हिसाब से ही थाली में थोड़ा-थोड़ा भोजन लेना चाहिए, जरूरत के अनुसार ही उपभोग होना चाहिए।

खाद्य बर्बादी को अगर अपराध मानकर जिम्मेदार व्यक्ति से भारी जुर्माना वसूला जाएं तो शायद देश में एक महीने के अंदर ही खाद्य बर्बादी पूरी तरह से नियंत्रित हो जाएगी और देश में अरबों रुपयों की बचत होकर अधिक मात्रा में विकास हो सकता है, भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनेगी, भुखमरी कम होकर समृद्धता बढ़ेगी। समाज के सभी वर्गों को भरपेट अनाज मिलेगा, बीमारियां, महंगाई कम होंगी, देश आर्थिक, सामाजिक, पर्यावरणीय रूप से संतुलित होगा। घर, ऑफिस, होटल, रेस्टारेंट, कार्यक्रम, सामूहिक समारोह, संस्थान, भोजनालय, ढाबे, कैफ़े दुकान, मॉल, गोदाम, कोल्ड-स्टोरेज अर्थात हर वो जगह जहां खाद्य सामग्री हो, चाहे निजी हो या सरकारी विभाग, खाद्य बर्बादी पर जिम्मेदार व्यक्ति पर दंड वसूला जाए तो हम जल्द सुधर जायेंगे। लोग जागरूक होकर भोजन सिमित मात्रा में पकाएंगे, समारोह में लोग खाना चखने के बाद स्वाद पसंद आने पर ही सिमित मात्रा में खाना थाली में परोसेंगे, इससे कुपोषण खत्म होने में मदद, उत्तम स्वास्थ्य, चटोरेपन पर लगाम लगेगी। किसी कारणवश फिर भी अन्न बच जाने पर खाना सार्वजानिक फ़ूड स्टाल को भेट किया जाएं। हर शहर, गांवो, कस्बों में भोजन संग्रहण के लिए ऐसे फ़ूड स्टाल केंद्र होने चाहिए, जहां पर शेष भोजन को दिया जा सकें। ऐसे केंद्र पर जरूरतमंदों के लिए सुविधानुसार मुफ्त भोजन की व्यवस्था होनी चाहिए, जहां कोई भी भूखा व्यक्ति जाकर भरपेट खाना खा सकता है। इस व्यवस्थापन से न कोई भूखा होगा, न अनाज की बर्बादी होगी, सिर्फ हर ओर समृद्धि होगी, कीमती जिंदगियां बचाई जाएंगी, सबको अन्न के हर दाने का मोल समझेगा और हमारे देश की सबसे बड़ी समस्या का विकास के रूप में परिवर्तन होगा।

चिंतन

अब कनाडा बनी आतंकवादियों की बड़ी मंडी

संजीव

मोबाइल : 9009 415 415

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने जी-20 सम्मेलन के दौरान यह बयान दिया था कि आतंकवाद के किसी भी स्वरूप को वैश्विक स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और विश्व के कई देशों ने इसका खुले तौर पर समर्थन भी किया था। अब तक पाकिस्तान ही आतंकवादियों का बड़ा केंद्र बना हुआ था, आतंकवादी गतिविधियों को प्रोत्साहित करने का काम किया करता था और यही कारण है कि वह विकास की मुख्य धारा से अलग होकर कंगाल हो चुका है, जनता को खाने के लाले पड़े हुए हैं महंगाई चरम सीमा पर है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी के बड़े प्रोत्साहन से खालिस्तानी आतंकवादी अब कनाडा को अपना केंद्र बन चुके हैं पाकिस्तान खालिस्तानी आतंकवादियों को भारत के विरोध में टेरर फंडिंग भी करता है और आवश्यक सलाह मशवरा देकर ट्रेनिंग देने का काम भी करता आया है, उन्हें कनाडा सरकार का खुला समर्थन प्राप्त है। कनाडा में रहकर खालिस्तानी आतंकवादी पंजाब और पूरे भारत में आतंकी गतिविधियों को संचालित करते आ रहे हैं, ऐसे में कनाडा का भी वही हश्र होना है जो पाकिस्तान का हुआ है।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टुद्रो आतंकवाद की राह पर आगे निकल चुके हैं। आतंकवादी खालिस्तानी उग्रवादियों को अपने पिता की तरह गलती की पुनरावृत्ति कर कनाडा के वर्तमान प्रधानमंत्री खुला समर्थन दे रहे हैं। भारत पर एक कुख्यात आतंकवादी निज्जर की की कनाडा में घुसकर हत्या का बेबुनियादी और प्रमाण विहीन आरोप लगाकर कनाडा के प्रधानमंत्री और उनका देश विश्व में अलग-अलग

पड़ चुके हैं। उनकी अपनी संसद में उनका खुलकर विरोध किया जा रहा है। कनाडा के प्रधानमंत्री को अपने इस बयान पर किसी भी देश का समर्थन प्राप्त नहीं है। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र संघ की जनरल असेंबली के मंच से कनाडा को खरी खोटी सुनाई भी है यह तय बात है कि भारत का उस हत्या से कोई लेना-देना नहीं है। कनाडा अब पाकिस्तान की तरह विश्व मंच पर अकेला पड़ गया है।

हेल्थ

युवाओं में बढ़ रहा है हार्ट अटैक का खतरा

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

क्या आपको पता है आपकी ख़राब जीवन शैली आपको मौत के मुंह में धकेल रही है। अधुनिक जीवन शैली के फलस्वरूप उठते बैठते, नाचते गाते और खेलते कूदते आप कभी भी हार्ट अटैक के शिकार हो सकते है। अख़बारों की रोजमर्रा की सुर्खियां बताती है युवक लगातार हार्ट अटैक के शिकार हो रहे है। इसी कारण हर साल जन जागरूकता के लिए हृदय दिवस का आयोजन किया जाता है। विश्व हृदय दिवस 29 सितम्बर को मनाया जाता है। यह दिन हमें हृदय स्वास्थ्य के महत्व को याद दिलाने का मौका प्रदान करता है। हर साल वर्ल्ड हार्ट डे अलग-अलग थीम के साथ मनाया जाता है। इस साल यानी 2023 में वर्ल्ड हार्ट डे की थीम 'दिल का इस्तेमाल करो, जान लो कि दिल खुला है राखी गई है। यह थीम हमें याद दिलाती है कि हम सभी अपने हृदय के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी खुद लें और इसे सुरक्षित रखने के लिए जरूरी कदम उठाएं। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य लोगों को हृदय रोग के बारे में जागरूक करना है। डॉक्टरों का कहना है लोग नियमित रूप से अपनी जाँच नहीं करा पा रहे। गलत खानपान, हर वक्त तनाव की स्थित तथा रोज व्यायाम न होने यह बीमारी बढ़ती जा रही है। हृदय रोग, कई वर्षों से दुनिया में सबसे अधिक मौतों का कारण बना हुआ है, जिसके परिणाम स्वरुप सालाना 1.87 करोड़ मौतें होती हैं। इसके कई कारण हैं- हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, धूम्रपान, वायु प्रदुषण, मोटापा। कोरोना महामारी हृदय रोग से पीड़ित 5 करोड़ से अधिक लोगों के लिए हृदयविदारक रहा है।

देश और दुनिया इस समय हार्ट अटैक की समस्या से सहमी हुई है। पिछले कुछ सालों में हार्ट अटैक से मरने वालों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है। दुनिया भर में हर साल लाखों लोगों की मौत दिल की बीमारी से होती है। अच्छे भले दिखने वाले इंसान को कब हार्ट अटैक हो जाए पता नहीं। बिग बॉस विनर सिद्धार्थ शुक्ला, सिंगर केके या कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव जैसे उदहारण हमारे सामने है। खासकर 40 से ऊपर कई फिल्मी हस्तियों के साथ ऐसा हुआ तो लोग सोचने पर मजबूर हो गए। आपका दिल अगर कमजोर हो रहा है तो संकेत मिलने लगते हैं। हालांकि हमें नहीं पता चल पाता कि इनको इग्नोर करना कितना भारी पड़ सकता है। सबसे अच्छी बात यह है कि दिल की 80 फीसदी बीमारियों से बचाव संभव है। अगर आपको पहले से लक्षण पता हैं तो आप सतर्क हो सकते हैं।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) का कहना है कि अगर इंसान थोड़ी सी अपनी लाइफस्टाइल को चेंज कर ले और नौ तरह से उसका ख्याल रखें तो उसका दिल एकदम फिट रहेगा और उसे किसी दवा की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। दिल तो बहुत कोमल होता है, इसलिए इसे केयर की जरूरत होती है, उसके पास दिमाग तो होता नहीं इसलिए उसका ख्याल आपको ही रखना होगा। अगर आप की उम्र 30 के पार है तो आप अपनी लाइफ में कसरत को जगह दीजिये। कोई जरूरी नहीं कि आप जिम जाएं या फिर दौड़-भाग करें, बस आपको 30 मिनट वॉक की जरूरत है। हेल्दी फूड को अपने मैन्यू चार्ट में शामिल करें। जंक फूड और एल्कोहल का सेवन कम से कम या ना के बराबर करें। हो सके तो घर का खाना खाएं। हफ्ते में एक दिन आप बाहर खाना खा सकते हैं। अपने खाने में मीठी चीजों का इस्तेमाल कम करें, हो सके तो नमक भी कम और हल्का खाएं। रात के भोजन में स्वीट डिश को बॉय-बॉय कर दें तो बेहतर होगा। रात का डिनर हल्का होना चाहिए जबकि ब्रेकफास्ट हैवी हो सकता है। अपने फूड में आप ताजे फलों और सब्जियों को जगह दीजिये। ऑयली फूड से दूर रहिए और अगर आपको मीठी चीज खाने का मन करें तो आप मीठे फल खाइये और टीवी देखते वक्त डिनर ना करें। घर पर धूम्रपान ना करें और ना ही शराब का सेवन करें। ये दोनों ही चीजें हार्ट के लिए घातक हैं। स्मोकिंग जहां सीधे आपके दिल को खराब करती है वहीं एल्कोहल से वजन बढ़ता है जो कि आपके लीवर के लिए सही नहीं है। अगर आप सीटिंग जॉब वाले इंसान हैं तो ऑफिस में चाय-कॉफी कम ही पीजिये, अगर मन करे तो आप ग्रीन टी और जूस का सेवन करें जो आपको फ्रेश भी करेगा और हेल्दी भी रखेगा। तनावमुक्त जीवन जिएं। तनाव अधिक होने पर योगा करें। टाइम से सोएं और टाइम से जगें और प्रतिदिन तीस मिनट वॉक करें। तीस के पार वाले हर एक इंसान को साल में अपना मेडिकल चेकअप एक बार जरूर कराना चाहिए। इस चेकअप में रक्तचाप, कॉलेस्ट्राल, ग्लोकोज स्तर, वजन और बॉडी मास इंडेक्स का टेस्ट होना चाहिए।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

भाजपा में शामिल

गुवाहाटी में गुरुवार को आम आदमी पार्टी (आप) के नेता भाजपा प्रदेश कार्यालय में भाजपा में शामिल हुए।

स्वामीनाथन ने नवाचार, समर्पण से लेकर टिकाऊ कृषि तक की विरासत छोड़ी है

नई दिल्ली/भाषा

प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक एम.एस. स्वामीनाथन का निधन वैज्ञानिक समुदाय के लिए एक बहुत बड़ा नुकसान है, लेकिन उनकी विरासत बनी रहेगी और सतत खाद्य सुरक्षा एवं कृषि नवाचार की ओर विश्व को ले जाना जारी रखेगी। वैज्ञानिकों ने यह बात कही।

देश की 'हरित क्रांति' में अहम योगदान देने वाले स्वामीनाथन का बृहस्पतिवार को चेन्नई में निधन हो गया। वह 98 वर्ष के थे।

मनीला मुख्यालय से संचालित इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईआरआरआई) से संबद्ध कृषि वैज्ञानिक रंजीता पुष्कर ने कहा, ''कई वर्षों के उनके अपार योगदान से हम सभी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से काफी लाभान्वित हुए हैं। भारत में हरित क्रांति के बगैर, जिसका उन्होंने नेतृत्व किया, हम खाद्य सुरक्षा हासिल नहीं कर पाते।''

पुष्कर ने कहा कि उनका (स्वामीनाथन का) निधन वैज्ञानिक समुदाय, और विशेष रूप से कृषि समुदाय के लिए एक बड़ा नुकसान है। पुष्कर ने कहा, ''वह आईआरआरआई के महानिदेशक थे और उनकी विरासत ने संगठन और इसके शोधार्थियों का आज तक मार्गदर्शन किया है...उनकी मानसिक स्फूर्ति और बौद्धिक जिज्ञासा पिछले कुछ वर्षों में भी पहले जैसी ही उच्च थी और शारीरिक रूप से कमजोर होने के बावजूद भी उन्होंने अब तक मार्गदर्शन किया। इस क्षति पर दुनिया भर के कृषि क्षेत्र के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं हैं!

विशेषज्ञों ने कहा कि कृषि के क्षेत्र में क्रांति लाने और सभी के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने करने वाले स्वामीनाथन ने नवाचार एवं टिकाऊ कृषि के प्रति समर्पण की एक विरासत छोड़ी है।

इंटरनेशनल फूड पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईएफपीआरआई) के दक्षिण एशिया क्षेत्र की समन्वयक ममता प्रधान ने कहा कि स्वामीनाथन एक दूरदृष्टा थे, एक प्रेरक थे। उन्होंने कहा, ''मुझे उनके साथ 2007 से 2014 तक काम करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था, जब हमने भोजन और पोषण सुरक्षा के लिए एक गठबंधन बनाया था।''

प्रधान ने कहा, ''उन्होंने वास्तव में भारतीय कृषि में क्रांति ला दी। भारत जब खाद्य असुरक्षा के खतरे से जूझ रहा था, तब उन्होंने खाद्य उत्पादन में आत्मनिर्भरता की दिशा में काम किया और देश को खाद्यान्न आयातक से प्रमुख निर्यातक में तब्दील कर दिया। वह हमेशा टिकाऊ कृषि और किसानों के जीवन में सुधार के लिए समाधान तलाशते रहते थे।'' स्वामीनाथन का जन्म तमिलनाडु के कुंभकोणम में सात अगस्त 1925 को हुआ था। स्वतंत्रता आंदोलन में उनके पिता की भागीदारी और महात्मा गांधी के प्रभाव ने कृषि विज्ञान के क्षेत्र में काम करने का उनके अंदर जुनून पैदा किया। उन्होंने देश के पूर्व प्रधानमंत्रियों के साथ करीबी रूप से काम किया और हरित क्रांति की सफलता में एक अहम भूमिका निभाई।

जयशंकर ने अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार से मुलाकात की, द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति पर चर्चा

वाशिंगटन/भाषा

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति पर तथा इसे आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 78वें सत्र को संबोधित करने के बाद बुधवार को न्यूयॉर्क से यहां पहुंचे जयशंकर बाद में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात करेंगे।

जयशंकर ने 'एक्स' पर लिखा, ''राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन से मुलाकात के साथ वाशिंगटन डीसी की मेरी यात्रा शुरू की। इस वर्ष हमारे द्विपक्षीय संबंधों में अत्यधिक प्रगति को रेखांकित किया और इसे आगे बढ़ाने पर चर्चा की। जयशंकर विदेश विभाग के फॉगी बॉटम मुख्यालय में ब्लिंकन से मुलाकात करेंगे। वह अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन टाई से भी मुलाकात कर सकते हैं। नई दिल्ली में हाल में संपन्न जी-20 शिखर सम्मेलन के बाद और भारत-कनाडा कूटनीतिक विवाद के बीच दोनों देशों की उच्चस्तरीय बैठक हुई है।

दोनों शीर्ष राजनयिकों के बीच बैठक कनाडाई संकट शुरू होने से काफी पहले निर्धारित की गई थी। उधर अमेरिका भारत से जून में ब्रिटिश कोलंबिया में खालिस्तानी चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की कनाडाई जांच में सहयोग करने का आग्रह कर रहा है।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने निज्जर की हत्या में भारत सरकार के एजेंट की कथित संलिप्तता का आरोप लगाया है। भारत ने 2020 में निज्जर को आतंकवादी करार दिया था। भारत ने कनाडा के आरोपों को बेतुका बताकर खारिज कर दिया है।

'चंद्रयान 3' के रोवर 'प्रज्ञान' ने वह काम कर दिया है जो इससे अपेक्षित था

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेरावल (गुजरात)/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख एस. सोमनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनके चंद्र मिशन 'चंद्रयान-3' के रोवर 'प्रज्ञान' ने वह काम कर दिया है जो इससे किये जाने की अपेक्षा की गई थी और यदि यह वर्तमान निष्क्रिय अवस्था (स्लीप मोड) से सक्रिय होने में विफल रहता है तो भी कोई समस्या नहीं होगी।

वह गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में सोमनाथ मंदिर दर्शन करने गये थे और इसके बाद यहां संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी अब एक्सपीओसैट या एक्स-रे पोलरिमीटर उपग्रह प्रक्षेपण के लिए तैयारी कर रही है और यह प्रक्षेपण नवंबर या दिसंबर में किया जा सकता है।

चंद्रमा पर वर्तमान में 'प्रज्ञान' के सुप्तावस्था या निष्क्रिय अवस्था में होने की स्थिति पर इसरो प्रमुख ने कहा कि चंद्रमा पर तापमान शून्य से लगभग 200 डिग्री सेल्सियस नीचे जाने पर अत्यधिक प्रतिकूल मौसम के कारण इसके इलेक्ट्रॉनिक सर्किट यदि क्षतिग्रस्त नहीं हुए हैं, तो यह फिर से सक्रिय हो जायेगा। उन्होंने कहा, ''यदि यह सक्रिय नहीं हुआ तो भी ठीक है क्योंकि रोवर ने वह काम कर दिया है जो इससे करने की अपेक्षा की गई थी।''

नारेबाजी

पटना में गुरुवार को खुसरूपुर में एक दलित महिला को निर्वस्त्र कर पीटने की अमानवीय घटना के विरोध में गुरुवार को पटना में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) समर्थकों ने प्रदर्शन कर नारेबाजी करते हुए।

फिल्म 'दोनों' का गाना 'खम्मा घनी' रिलीज

मुंबई/वार्ता

राजवीर देओल और पलोमा ढ़िल्लो स्टारर फिल्म 'दोनों' का गाना 'खम्मा घनी' रिलीज हो गया है। फिल्म दोनो का नवीनतम गाना खम्मा घनी को शंकर-एहसान-लॉय ने संगीतबद्ध किया है,जबकि गाने के बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं। इस गाने को विजय गांगुली ने कोरियोग्राफ किया है । फिल्म दोनो से सनी देओल के छोटे बेटे राजवीर देओल डेब्यू कर रहे हैं। इस फिल्म में राजवीर देओल के अपोजिट मुख्य भूमिका में बॉलीवुड अभिनेत्री पूनम ढिल्लों की बेटी पलोमा नजर आएंगी।उनकी भी ये डेब्यू फिल्म ही है। राजश्री प्रोडक्शंस (पी) लिमिटेड जियो स्टूडियोज के सहयोग से प्रस्तुत दोनों को कमल कुमार बड़जात्या, राजकुमार बड़जात्या, अजीत कुमार बड़जात्या और ज्योति देशपांडे ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म के लिए क्रिएटिव प्रोडक्शन का नेतृत्व सूरज आर. बड़जात्या कर रहे हैं।

'एनिमल' का टीजर आउट

मुंबई/एजेन्सी

एक्टर रणबीर कपूर अपकमिंग फिल्म 'एनिमल' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म से उनके फर्स्ट लुक ने धमाल मचा दिया था। अब आज गुरुवार (28 सितंबर) को रणबीर के बर्थडे पर 'एनिमल' का टीजर रिलीज कर दिया गया है। टीजर में रणबीर दमदार लग रहे हैं, तो वर्सेटाइल एक्टर अनिल कपूर का कड़क अंदाज है। 'एनिमल' का 2 मिनट 56 सैकंड का टीजर काफी रोमांचित करने वाला है। टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। फैंस इसे देखने के लिए बेताब हो रहे हैं। 'एनिमल' में रणबीर एक रिच फैमिली में पैदा हुए शख्स का रोल कर रहे हैं। उसकी दुनिया बाहर से तो सोने की दिखती है, लेकिन अंदर से पूरी तरह अंधेरा है। अनिल, रणबीर के पिता बने हैं। उन्हें बेटा बिल्कुल भी पसंद नहीं है। अनिल में जबरदस्त गुस्सा भरा हुआ है। हालांकि रणबीर को भले ही अनिल पसंद नहीं करते, लेकिन वो उनके खिलाफ एक शब्द भी नहीं सुन सकते। फिल्म की कहानी बदले के इर्द- गिर्द घूमती है। रणबीर पिता की मौत का बदला लेते हैं। टीजर की शुरुआत एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना से होती है। वे रणबीर के अपोजिट हैं। बॉबी सबसे आखिर में दिखाई देते हैं।

'खतरों के खिलाड़ी' सीजन 13 में चैलेंजर बनकर आएंगी हिना खान

मुंबई/एजेन्सी

'खतरों के खिलाड़ी' सीजन 13 में अभिनेत्री हिना खान एक चैलेंजर के रूप में वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि बहादुरी के लिए एक बेंचमार्क स्थापित करने के लिए चुना जाना सम्मान की बात है। शो के रोमांच की भावना को अगले स्तर पर ले जाते हुए, एक्शन मास्टर और होस्ट रोहित शेट्टी इस सीजन के तीसरे चैलेंजर का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। शो के आठवें सीजन की मशहूर फाइनलिस्ट 'शेर खान' के नाम से मशहूर हिना अपनी असाधारण लचीलेपन और शो के आठवें संस्करण में अधिकांश स्टंट में महारत हासिल करने के लिए प्रसिद्ध हैं, जो इस सीजन के प्रतियोगियों को चुनौती देने के लिए तैयार हैं। अपने निडर व्यक्तित्व को बरकरार रखते हुए, हिना शो में 'लग जा गले' गाते हुए प्रवेश करती नजर आएंगी, क्योंकि वह एक चट्टान से कूदने वाली हैं। आगामी एपिसोड में, दर्शक हिना की अदम्य ताकत देखेंगे। एक चैलेंजर के रूप में 'केकेके 13' में अपनी वापसी के बारे में बात करते हुए, हिना ने कहा, 'खतरों के खिलाड़ी' में वापसी उस रोमांच को फिर से देखने जैसा था जिसने मुझे वह बनाया जो मैं आज हूं। अगर मैं इस शो में नहीं होती तो मैं अपने डर पर काबू पाने की कल्पना भी नहीं कर पाती।

अभिनेत्री ने कहा, एक चुनौतीकर्ता के रूप में इसमें वापसी करने से अद्भुत यादों की बाढ़ आ गई। खतरों के खिलाड़ी का यह सीजन अपने आप में अनोखा और हैरतअंगेज स्टंट से भरपूर है। बहादुर लोगों के लिए एक मानदंड स्थापित करने के लिए चुना जाना सम्मान की बात है।'' हिना ने कहा कि वह रोहित के मार्गदर्शन के लिए उनकी आभारी हैं। इससे पहले शो में चैलेंजर के तौर पर एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी की एंट्री हुई थी। 'खतरों के खिलाड़ी 13' कलर्स पर प्रसारित होता है।

'एवरीवन इज ए हीरो' भारत की तरफ से ऑस्कर्स 2024 में हुई ऑफिशियल एंट्री

मुंबई/एजेन्सी

मलयालम फिल्म '2018: एवरीवन इज ए हीरो' को भारत की तरफ से ऑस्कर्स 2024 में ऑफिशियल एंट्री मिली है। यानी यह फिल्म 2024 में होने वाले अकेडमी अवॉर्ड्स में हमारे देश का प्रतिनिधित्व करेगी। पांच मई 2023 में रिलीज हुई '2018: एवरीवन इज ए हीरो' में 'मिन्नल मुरली' फेम टोविनो थॉमस लीड रोल में हैं। वह मलयालम सिनेमा के जाने-माने स्टार और प्रोड्यूसर हैं। द फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ने उन भारतीय फिल्मों के लिए एप्लिकेशन मांगी थी, जो 96वें अकेडमी अवॉर्ड्स में भारत की तरफ से बतौर ऑफिशियल एंट्री जा सकती हैं। इसके लिए 15 अगस्त से 10 सितंबर तक आवेदन किया जा सकता था।

जिन भारतीय फिल्मों के आवेदन मिले, उनमें 'द केरल स्टोरी', 'बालागम', 'ज़्विगेटो' और 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' जैसे नाम शामिल थे। लेकिन बाजी 2018: ऐंशीूपश खी - क्शी ने मार ली। इस फिल्म को भारत की तरफ से ऑस्कर में भेजे जाने के लिए चुना गया है।

फिल्म एक सच्ची घटना पर आधारित है। यह एक सर्वाइवल ड्रामा है, जो 2018 में केरल में आई बाढ़ पर बेस्ड है। इसमें दिखाया गया कि कैसे बाढ़ जैसी आपदा के बीच भयानक परिस्थितियों में भी लोगों ने इंसानियत की मिसाल पेश की, और एक-दूसरे की मदद को खड़े रहे। इस फिल्म को जूड एंथनी ने डायरेक्ट किया था। फिल्म में टोविनो थॉमस के अलावा आसिफ अली नजर आए। '2018: एवरीवन इज ए हीरो' को काफी पसंद किया गया था। यह फिल्म 5 मई को 'द केरल स्टोरी' के साथ ही रिलीज हुई थी, पर अच्छी कमाई करने में कामयाब रही थी। यह मलयालम सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली पहली फिल्म बनी। इसने मलयालम बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया था। इसके साथ ही '2018' साल 2023 में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों में शुमार हो गई। बात करें ऑस्कर्स 2024 की, तो इन्हें 10 मार्च 2024 में लॉस एंजेलिस के डॉल्बी थिएटर से एबीसी चैनल पर टेलिकास्ट किया जाएगा। पिछले साल भारत की तरफ से जिन फिल्मों की ऑस्कर्स में एंट्री हुई थी, उनमें 'छेल्लो शो', 'गली बॉय', 'जलीकट्टू' और घेहरपसरश्र का नाम शामिल है। अभी तक सिर्फ तीन ही भारतीय फिल्में ऑस्कर में नॉमिनेशन पा चुकी हैं, जिनमें 'मदर इंडिया', 'लगान' और 'सलाम बॉम्बे' का नाम शामिल है। वहीं ऑस्कर्स 2023 में ठ्ठ्ठ के 'नाटू नाटू' सॉन्ग ने बेस्ट ओरिजनल सॉन्ग का ऑस्कर अवॉर्ड जीता था।

ओटीटी पर 'खुफिया', 'चूना' और 'कुशी' ने धूम मचाई

मुंबई/एजेन्सी

सितंबर का आखिरी सप्ताह है और ओटीटी की दुनिया उत्साह और प्रत्याशा से भरी हुई है, जिसमें खुफिया', 'चूना', 'कुशी' ने ओटीटी स्क्रीन पर धूम मचाई हुई है। जैसे-जैसे दिन छोटे और ठंडे होते जा रहे हैं, यह आराम करने और दिल छू लेने वाले नाटकों और रोमांचकारी रहस्यों का पता लगाने का समय है। तब्बू और अली फजल स्टारर रोमांचक ड्रामा 'खुफिया' से लेकर विजय देवरकोंडा और सामंथा की रोमांटिक कहानी 'कुशी' तक, इस सप्ताह की पेशकश आपको आनंदित करेगी, और विविध प्रकार की मनोरम सामग्री के साथ मनोरंजन करने का वादा करेगी। यहां विभिन्न ओटीटी प्लेटफार्मों पर छह शीर्षकों की सूची दी गई है, जिन्होंने इस सप्ताह आईएएनएस का ध्यान खींचा है।

'चूना' जिमी शेरगिल, आशिम गुलाटी, विक्रम कोचर, चंदन रॉय, नमित दास, ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, अतुल श्रीवास्तव, मोनिका पंवार, निहारिका लायरा दत्त अभिनीत यह वेब सीरीज व्यंग्य पुष्पेंद्र नाथ मिश्रा द्वारा लिखित और निर्देशित है। यह रोमांचकारी डकैती कहानी एक गतिशील दृश्य अनुभव और उत्तम हास्य पंचों के साथ जुड़ी हुई है।

'एजेंट ' सुरेंद्र रेड्डी द्वारा निर्देशित और वक्कनथम वामसी द्वारा लिखित तेलुगु भाषा की एक्शन जासूसी फिल्म में अखिल अक्किनेनी, ममूटी, डिनो मोरिया, साक्षी वैद्य और विक्रमजीत विर्क ने अभिनय किया हैं। यह फिल्म तेलुगु सिनेमा में वैद्य और मोरिया की पहली फिल्म है। अखिल ने रामकृष्ण 'रिकी' उर्फ 'वाइल्ड साला' का किरदार निभाया है, जबकि ममूटी को रॉ प्रमुख कर्नल महादेव उर्फ 'द डेविल' के रूप में देखा जाता है। डिनो ने धर्मा उर्फ 'द गॉड' का किरदार निभाया है। यह 29 सितंबर से सोनी लिव पर स्ट्रीम होगा।

'तुमसे ना हो पाएगा' यह आज के युवाओं द्वारा सामना की जाने वाली आधुनिक चुनौतियों और हम जिस समाज में रहते हैं, उसके द्वारा बनाए गए 'नियमों' का पालन करने की बजाय अपने रास्ते और सपनों का पालन करने में उनकी दुविधा पर एक मजेदार चित्रण है। फिल्म में इश्वाक सिंह और गौरव पांडे के नेतृत्व में युवा दोस्तों का एक समूह समाज के 'लोग क्या कहेंगे' रवैये के साथ खड़ा है।

'कुशी' शिव निर्वाण द्वारा लिखित और निर्देशित रोमांटिक कॉमेडी फिल्म का निर्माण नवीन यरनेनी और वाई रविशंकर ने प्रोडक्शन बैनर माइथ्री मूवी मेकर्स के तहत किया है। इसमें विजय देवरकोंडा और सामंथा मुख्य भूमिका में हैं, जबकि सचिन खेडेकर, सरन्या पोनवन्नन और मुरली शर्मा सहायक भूमिकाओं में हैं। विजय ने लेनिन विप्लव का किरदार निभाया है, जबकि सामंथा ने आराध्या का किरदार निभाया है। फिल्म में दोनों पति-पत्नी के किरदार में नजर आ रहे हैं। इसे 1 सितंबर को रिलीज किया गया था। यह नेटफ्लिक्स पर एक अक्टूबर को तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में रिलीज होगी।

'एट एटीन' यह एक हृदयस्पर्शी कोरियाई ड्रामा है जो हाई स्कूल की जटिलताओं और किशोरावस्था की चुनौतियों से जूझ रहे तीन किशोरों चोई जून वू, यू सू बिन और मा ह्वी यंग के जीवन पर प्रकाश डालता है। जून वू एक नए स्कूल में स्थानांतरित हो जाता है और सू बिन के साथ एक अप्रत्याशित दोस्ती बनाता है, जो अपनी मां की उच्च उम्मीदों से जूझती है।

'खुफिया' विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित, 'खुफिया' में तब्बू, अली फजल, वामिका गब्बी, आशीष विद्यार्थी और अजमेरी हक बधोन जैसे कलाकार हैं। यह सच्ची घटनाओं पर आधारित है। यह रॉ की काउंटर एस्पियनेज यूनिट के पूर्व प्रमुख अमर भूषण द्वारा लिखी गई किताब 'एस्केप टू नोव्हेयर' पर आधारित है। 5 अक्टूबर से नेटफ्लिक्स पर प्यार, वफादारी, बदला और विश्वासघात की कहानी देखें।

/dakshinbharat /dakshinbharat
DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

आत्मा आत्मा में कोई फर्क नहीं है, चाहे वह एकेंद्रिय, बेइंद्रिय या पंचेंद्रिय की हो। चींटी को तीन इंद्रिय है। चींटी को जन्म से ही नहीं दिखता लेकिन वह आहार वासना के लिए गंध के आधार पर अपनी गति बनाती है। कुछ इंद्रियां काम नहीं करती लेकिन जीव के संस्कारों से वह महसूस करते हैं। व्यक्ति को सपने आने के समय पांचों इंद्रियां सुषुप्त अवस्था में होती है लेकिन फिर भी हम शब्द, रूप, गंध को महसूस करते हैं। चींटी देखती नहीं, फिर भी चलती- सुनती है और मक्खी सुनती नहीं, फिर भी महसूस करती है। यह आत्मा में रही हुई संज्ञा द्वारा होता है। ज्ञानी कहते हैं हर जीवात्मा के पास चार संज्ञा रही हुई है।

भिक्षु चरमोत्सव मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के तेरापंथ भवन साध्वीश्री लावण्यश्रीजी के पावन सान्निध्य में तप-जप एवं अध्यात्म की गंगा बह रही है। साध्वीश्रीजी के सान्निध्य में 221वां आचार्य भिक्षु चरमोत्सव त्याग, तपस्या के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम तेरापंथ महिला मंडल, चेन्नई द्वारा मंगलाचरण से कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

तत्पश्चात अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार आचार्य भिक्षु चरमोत्सव पर 'भिक्षु म्हारै प्रगटया जी भरत खेतर में, ज्यांरो ध्यान धरू अंतर में..' स्तुति परक अभ्यर्थना हुई। साध्वीश्री सिद्धांतश्रीजी एंव साध्वीश्री दर्शितप्रभाजी ने आज के विषय पर अपने विचार रखें। साध्वीश्री लावण्यश्री जी ने विशाल धर्म सभा को संबोधित करते हुए आचार्य भिक्षु के प्रति श्रद्धा सुमन समर्पित करते हुए कहा- विलक्षण प्रतिभा के धनी आचार्य भिक्षु की चेतना अंतर्मुखी थी।

उन्होंने शुद्ध साधना के लिए, बनी हुई लकीरों पर न चल कर आने वाली हर मुसीबत को हंसते-हंसते सहन किया। आप असंख्य अवरोधों के बावजूद सत्यपथ से विचलित नहीं हुए। अनेक घटनाओं और प्रसंगों का जिक्र करते हुए आचार्य भिक्षु को धर्म क्रांति का महान जनक बताया। तेयुप द्वारा संचालित भिक्षु स्मृति साधना का समापन साधकों की उपस्थिति में, साध्वीश्रीजी के सान्निध्य में किया गया। अन्त में सभा के मंत्री अशोक खंतग द्वारा अग्रिम कार्यक्रमों की सूचनाएं दी गई।

नेत्र शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में चेंगलपेट स्थित जैन भवन में नेत्र शिविर महावीर इंटरनेशनल चेन्नई मेट्रो व महावीर इंटरनेशनल चेंगलपेट सेन्टर द्वारा महावीर गड़वाणी परिवार के सहयोग से बुधवार को 2501वां शिविर लगाया गया। अग्रवाल आई अस्पताल की चिकित्सकीय टीम द्वारा 160 लोगों की आंखों की जांच की गई जिसमें 34 लोगों को नि:शुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिए चुना गया है। वहीं 44 लोगों को चश्मे बनाकर दिए जाएंगे। 50 लोगों का रक्तचाप व मधुमेह जांच की जाएगी। शिवरि में अजीत चोरडिया, पदम सिंघवी, केशाराम सीरवी, सुमति सिंघवी, मोहनलाल गड़वानी, निर्मल गड़वानी, जितेंद्र, दिलीप जैन आदि सदस्यों का सहयोग रहा।

स्वास्थ्य शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। सीरवी समाज ट्रस्ट पड़प्पा बडेर में ग्लोबल हॉस्पिटल पेरूमबाक्मब के डॉक्टरों की तरफ से निशुल्क मेगा मेडिकल हेल्थ कैंप का आयोजन हुआ। शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्वलित से हुआ। शिविर में बड़ी संख्या में पुरुष-महिलाओं ने ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर ईसीजी, ईसीओ इत्यादि टेस्ट करवाए। ग्लोबल होस्पिटल के डॉक्टर और स्टाफ ने सेवाएं दी। ग्लोबल हॉस्पिटल की तरफ से पड़प्पै बडेर के सदस्यगण का धन्यवाद दिया। सुरेन्द्रसिंह चारण को ट्रस्ट ने धन्यवाद दिया साथ ही सभी डॉक्टरों और चिकित्सीय टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। इस मौके पर उमाराम परिहार, ताराचंद परिहारिया, तेजाराम आगलेचा, मुलाराम काग, मांगीलाल मुलेवा, रतनलाल लचेटा, ओमप्रकाश पंवार, चोथाराम सेंणचा सहित समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यहां साहुकारपेट के नेताजी सुभाषचन्द बोस रोड स्थित इलेक्ट्रानिक सामानों के लिए उचित दर के लिए प्रसिद्ध राखीवाला हाउस ऑफ इलेक्ट्रानिक्स ने हाल ही व्यवसाय को विस्तार देते हुए वॉलटेक्स रोड पर स्थित नायडू प्लाजा के प्रथम तल पर अपने नए शोरूम का शुभारंभ किया है। तीन हजार स्क्वायर फीट से अधिक के इस शोरूम में कार पार्किंग की व्यवस्था की गई है। राखीवाला के प्रबंध निदेशक गजेंद्र सिंघवी ने बताया कि एनएससी बोस रोड पर स्थित शोरूम के पिछले 20 वर्षो से अधिक के व्यावसायिक अनुभव के उपरांत अब व्यवसाय को विस्तारित करने का निर्णय किया गया है उन्होंने बताया की इस क्रम में तीन और नए शोरूम खोलने की योजना पर कार्य किया जा रहा है जिसमें एक राजस्थान के जोधपुर दूसरा, तमिलनाडु के सेलम तथा तीसरा कर्नाटक के होसपेट में भी शोरूम खुलेगा। उन्होंने बताया की इन तीनों शोरूमों का संचालन आगामी छः माह में कर दिया जाएगा।

डॉ. गोठी भक्ति सुयश अवार्ड द्वारा सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। रूप मुनि रजत गुरू सेवा समिति पाली के तत्वावधान में रूप रजत विहार में आयोजित एक भव्य समारोह में टी.नगर चेन्नई के वरिष्ठ समाज सेवी दुर्लभ स्वाध्यायी डॉ.एम उत्तमचन्द गोठी को उनके द्वारा प्रदत्त आध्यात्मिक, सामाजिक एवं मानव सेवा क्षेत्र में उत्कृष्ट राष्ट्र व समाज सेवा के लिए समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र के कर कमलों द्वारा भक्ति सुयश अभिनन्दन एवं अवार्ड द्वारा सम्मानित किया गया। डॉ. गोठी ने राज्यपाल महोदय को मदन उत्तम ज्ञान ज्योति धार्मिक पुस्तिका भेंट की। इस आयोजन में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्व गुरू महामण्डलेश्वर स्वामीश्री महेश्वरानन्दजी, पाली सांसद पी.पी. चौधरी, कर्नाटक से राज्यसभा सांसद लहर सिंह सिरोया, पाली विधायक ज्ञानचन्द पारख व देशभर से अनेक गणमान्यों लोगों की गरिमामय उपस्थिति रही। डॉ.गोठी ने अपने संबोधन में सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए गुरु सेवा समिति के अध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी गुरू भक्त नेमीचंद चोपड़ा सहित समारोह में उपस्थित सभी को धन्यवाद प्रेषित किया।

ईश्वर से नहीं अपने कर्मों से डरो : साध्वी धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कर्मों से डरो, ईश्वर से नहीं। ईश्वर तो माफ कर देता है परन्तु कर्म माफ नहीं करते हैं। गुरुवार को साहुकारपेट जैन भवन के मरूधर केसरी दरबार में महासती धर्मप्रभा ने श्रावक श्राविकाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि कर्मो के कारण ही हमारी आत्मा संसार मय अनादि काल से भटक और अटक रही है। संसार में सुख-दु:ख कर्मों के फल अनुसार ही मिलते हैं। पुण्य कर्मों का फल सुख के रूप में हमें मिलता है। पाप कर्मों का फल दु:ख के रूप में मिलता है। इन कर्मों के फल से आज तक कोई भी प्राणी नहीं बच पाया है। कर्मों के फल की सजा भगवान महावीर स्वामी को भी भोगनी पड़ी थी। यदि हमारे कर्म अच्छे हैं तो यह जीवन सुधर सकता है वरना यह आत्मा संसार फिर से अटक भटक सकती है। संसार में मानव भव ही एक ऐसा भव जिससे हम आत्मा को संसार से छुटकारा दिला सकते है। पुण्य और शुभ कर्मों के आधार पर ही हमें मानव भव मिला है और हम तुच्छ वस्तुओं को प्राप्त करने के लिए हम इस मानवभव को बिगाड़ रहे है। जीवन में सुख-दु:ख कर्मो के कारण ही हमें भोगने पड़ते है।

साध्वी स्नेह प्रभा ने उत्तराध्ययन सूत्र का वांचन करते हुए कहा कि संसार के प्रत्येक प्राणी को अपने कर्मों का फल भोगना ही पड़ता है। इससे मुक्ति कभी नहीं मिलती है। इंसान कितने ही छिपकर कर्म करता है, लेकिन परमात्मा की नजरों से कर्म छिपने वाले नहीं है। कर्म ही सृष्टि का आधार है। मनुष्य जो भी कर्म करता है, चाहे सकारात्मक हो या नकारात्मक,उस कर्म का फल तो उसे भोगने ही पड़ेंगे। भोगे बिना संसार से आत्मा को मोक्ष नहीं मिलने वाला है।

गुरु वह होता है जो हमारे भीतर के चक्षु को खोलता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। यहाँ शंकरनगर स्थित केरला मंडपम् में श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में और साध्वीश्री राजमती जी एवं साध्वीश्री विनयश्री जी म सा के सान्निध्य में आचार्यश्री जयमलजी महाराज का 316 वां जन्मोत्सव का तीसरे दिन का प्रमुख कार्यक्रम बहुत ही भव्य रूप से मनाया गया। इस अवसर पर मंदिरमार्गी साध्वीश्री संयमपूर्णाश्री जी म सा आदि ठाणा ने भी समारोह में शामिल हो जिन शासन की शोभा बढ़ाई। स्थानकवासी संघ के अध्यक्ष गौतम चोपड़ा ने समारोह में सम्मिलित सकल जैन संघ के सदस्यों समेत सभी आगन्तुक मेहमानों का स्वागत अभिवादन किया।

समारोह में शरीक श्रद्धालुओं में चेन्नई, बंगलौर, कोयंबटूर, कल्लाकुरुची, तिरुवन्नामलाई, केजीएफ आदि कई समीपवर्ती क्षेत्रों से भाई बहन पधारे थे। सभी साध्वीवृन्द ने अपने अपने मंगल उद्बोधन में भवअवतारी आचार्य जयमल जी म सा के तप संयमित जीवन का पूर्ण समर्पण भाव से गुणगान किया। साध्वीश्री राजमती जी ने कहा कि ऐसे महान तपस्वी संत की जीवनी का शब्दों में वर्णन नहीं किया जा सकता है। मात्र तीन घंटों में प्रतिक्रमण पाठ को खड़े खड़े कण्ठस्थ करना, वर्षों तक एकांतर तप, अनेक मासखमण, छह माही तप और लगभग पचास वर्ष तक आड़ासन का त्याग, यह सब कोई असाधारण व्यक्ति ही कर सकता है। साध्वीश्री संयमपूर्णाश्री जी ने कहा कि गुरु वह होता है जो हमारे भीतर के चक्षु को खोलता है। आज ऐसी महान आत्मा का जन्मोत्सव मनाने का जो अवसर प्राप्त हुआ है तो सभी श्रावकों को कम से कम इतना तो संकल्प करना चाहिए हम रोजाना पांच मिनट ऐसे महातपस्वी महापुरुष से जुड़ने का प्रयास कर उस गुरु तत्व को अनुभव कर सकें।

वैरागन बहन ने मधुर गीतिका की प्रस्तुति दी तो युवा-युवतियों ने एक रोचक नाट्य मंचन से पुज्य गुरुवर के प्रति अपनी मंगलभावनाओं को पेश किया। इससे पूर्व इसी त्रिदिवसीय समारोह के तहत मंगलवार को स्थानक भवन में सामूहिक एकासना और बुधवार को सजोड़े चमत्कारी जय जाप से श्रावकों ने अपनी मंगल भावनाएँ अर्पित की। कार्यक्रम का संचालन कोयंबटूरवासी घीसूलाल हिंगड़ ने किया। व्यवस्था में सहयोग स्थानकवासी संघ के युवक मंडल ने किया।

वार्षिक पैदल यात्रा का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। लोक देवता बाबा रामदेवजी के जन्मोत्सव एवं 60 वाँ वार्षिक महोत्सव के उपलक्ष में पैदल यात्रा काटुपाकम व मनापाक्म्ब से रामदेवजी मंदिर साहुकारपेट तक 25 किलोमीटर की वार्षिक पैदल यात्रा का आयोजन किया गया। पैदल यात्रा सोमवार रात्रि 9 बजे से शुरू हुई ,जो मुख्य मार्गों से होती हुई मंगलवार को अलसुबह सोकारपेट रामदेवजी मंदिर पहुंची। मंदिर में पैदल यात्रियों का कुंकुम का तिलक लगाकर, फूलमाला पहनाकर सभी पैदल यात्रियों का स्वागत किया गया।

पैदल यात्रा के दौरान डीजे की धुन पर बाबा रामदेव के लोकगीतों से पूरा शहर गुंजायमान रहा। इस दौरान पैदलयात्रा में श्रद्धालु बाबा के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। वरघोड़ा रामदेव मंदिर से प्रारंभ होकर मिन्ट स्ट्रीट, आदियाप्पा, गोविन्दापा स्ट्रीट होते हुए रामदेव मंदिर पहुंचा वरघोड़ा यात्रा के दौरान रंग बिरंगी गुलाल व पुष्प वर्षा की गई। बैण्ड बाजों व ढोल धमाकों के साथ नाचते गाते बाबा रामदेव के जयकारे लगाते हुए मंदिर पहुंचे। मंदिर में पहुंचे, पैदल यात्रियों संघ ने बाबा रामदेव की विशेष पूजा-अर्चना की गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण किया।

सुख की परिभाषा है कषायों की मंदता, संक्लेश का अभाव और प्रसन्नता : आचार्य उदयप्रभ सूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक जैन संघ में विराजित योगनिष्ठ आचार्य केशरसूरी समुदाय के वर्तमान गच्छाधिपति आचार्यश्री उदयप्रभ सूरीश्वरजी ने आचारांग सूत्र के अंतर्गत कहा कि कष्ट की साधना के मार्ग सुख देने वाले होते हैं। सुख के साधन का मार्ग दुख देने वाले हैं। सुख की परिभाषा है कषायों की मंदता, संक्लेश का अभाव और प्रसन्नता। ज्ञानी कहते हैं आत्मा के अंदर छोटे-मोटे संकलेश चलते ही रहते हैं, उनको अनुभव में न लें। हमें अपने मन के संक्लेश जब पता चलेंगे, तब हम शांत होंगे। जगत में तीन प्रकार के सुख होते हैं मान्यता वाला सुख, व्यवहार सुख और परमार्थ सुख। भूख, विषय की इच्छा या गर्मी, ये सब मान्यता वाले सुख हैं। आज तक जीवात्मा मान्यता वाले सुखों को लेकर भ्रमणा में बैठा है। वर्तमान में व्यवहार सुख देखकर लोग कहते हैं हम तो बहुत सुखी हैं। ज्ञानी कहते हैं जब तक पुण्य है तब तक ही यह सब चलेगा। जब पुण्य की बात करनी है तो व्यक्ति स्वयं की करता है और पाप की बात करनी है तो दूसरों पर डाल देता हैं। यानी पुण्य के कार्यों में खुद को जश देता है। परंतु पाप के कार्यों में अपयश नहीं लेना

चाहता। मन से जब क्रोध, वासना निकल जाएगी तब आप परमार्थ सुख पाएंगे। उन्होंने कहा असली सुख वह है जो कभी अटकता नहीं, खटकता नहीं और जो कभी भटकता नहीं। जो सुख अटकता और भटकता है, वह सुख सुख नहीं है। जिनके पास पर के आधार के सुख हैं, वे अटक जाते हैं। आत्मा से आए हुए सुख कभी अटकते नहीं है। साधु का सुख पाताल कलश के पानी जैसा होता है। तालाब, टंकी सरिता का पानी सूख जाता है परन्तु पाताल कलश का पानी कायमी होता है। उन्होंने कहा सामग्री जितनी आप जोड़कर रखोगे, क्लेश उतने ही बढ़ेंगे। ज्ञानी कहते हैं सुखी बनना है तो सामग्री कम करना शुरू कर दो। संपत्ति का विरोध नहीं है, परिग्रह का विरोध है। परिग्रह से मन को छोड़ो। मन को प्रभु भक्ति के सूत्रों के शब्दों में एवं उनके अर्थ और आलंबन के साथ जोड़ो। संपत्ति को नाखून, बाल के समान समझना। नाखून बढ़ने पर उसे काटते हैं, वैसे ही संपत्ति को परिग्रह में परिवर्तित मत होने दो। मरुदेवी माता ऋषभ देव को देखकर अहोभाव का आलंबन करते हैं। उन्होंने कहा राग वस्तु का नहीं होता है, वस्तु तो निमित्त बनती है, राग मन से पैदा होता है। अंदर के दोष व्यवहार के दोषों से प्रकट होते हैं, उसका निमित्त होती हैं वस्तु। क्रूरता, क्रोध बंद करने के लिए निमित्तों को बंद करना पड़ेगा। तीर्थंकर भी व्यवहार का पालन करते हैं। कर्मबंध के चार कारण है मिथ्यात्व, अविरति, कषाय और योग। कर्म जितने कम होंगे आत्मा उतनी ही प्रसन्न रहेगी। तप, त्याग प्रमाद को घटाने का काम करते हैं।

'स्वकल्याण के लिए स्वयं के आलोचक स्वयं बने'

राणेबेन्नूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी ने प्रवचन में कहा कि आप आगे जरूर निकलेंगे अगर आप आलोचक बनेंगे। परन्तु आप अपने आलोचक खुद बनिए। अपनी आलोचना करना खुद सीखिए, ताकि बाद में दु:ख न हो। दुनिया का इन्तजार मत कीजिए, अपनी आलोचन खुद कीजिए जिससे आत्मलोचन हो सके। हमनें अपनी आलोचना जिस दिन करना सीख जाएंगे, हमारा कल्याण शुरु हो जाएगा। समस्त दु:खों से निपटने का एक मात्र उपाय है कि तुम अपने आलोचक बन जाओ, अपने आप आप में श्रेष्टता आने लग जाएगी

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.